जनता के गोठ

● वर्ष -01 ● अंक- 26 ● रायपुर, बुधवार 03 दिसम्बर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ- 08 ● मूल्य- 2 रुपया ● संपादक- शुभम वर्मा ● RNI : CTBIL/25/A1787

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली और मुंबई हवाई अड्डों पर बढ़ सकता है उपयोगकर्ता शुल्क

नईदिल्ली। दूरसंचार विवाद निपटान एवं अपीलीय न्यायाधिकरण (टीडीएसएटी) द्वारा टैरिफ की गणना के फॉर्मूले में संशोधन के बाद अब दिल्ली और मुंबई हवाई अड्डों से उड़ान भरने वाले यात्रियों को जल्द ही उपयोगकर्ता शुल्क में भारी वृद्धि का सामना करना पड़ सकता है। नए फॉर्मूले के कारण उपयोगकर्ता विकास शुल्क (यूडीएफ) 22 गुना तक बढ़ सकता है, जिससे हवाई यात्रा काफी महंगी हो जाएगी। हालांकि, एयरपोर्ट्स इकोनॉमिक रेगुलेटरी अथॉरिटी (एईआरए) ने इस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। यह विवाद वित्त वर्ष 2009 से वित्त वर्ष 2014 के बीच की 5 साल की टैरिफ अवधि से जुड़ा है, जिसके दौरान दिल्ली और मुंबई हवाई अड्डों पर 50,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का बकाया टैरिफ बकाया था। टीडीएसएटी के आदेश ने यात्रियों से बढ़े हुए शुल्क के जरिए इस राशि की वसूली का रास्ता खोल दिया है। हालांकि, एईआरए समेत कई घरेलू और विदेशी एयरलाइंस ने आदेश को चुनौती दी है। जिस पर बुधवार को सुनवाई होने वाली है।

पहाड़ों की बर्फबारी से उत्तर भारत में ठंड का प्रकोप

नईदिल्ली। पहाड़ी राज्यों में सक्रिय हुए पश्चिमी विक्षोभ के कारण बर्फीली हवाएं कमजोर पड़ने से उत्तर भारत में शीतलहर से थोड़ी राहत मिली हुई है। यह सिस्टम 2-3 दिसंबर को आगे बढ़ जाएगा, जिसके बाद ठंडी हवाएं चलने से हांड कंपा देने वाली सर्दी पड़ने के आसार हैं। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, आने वाले दिनों में राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, पंजाब, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में सर्दी तेज होने का अनुमान जताया है। इस दौरान भी शीतलहर चलेगी। हिमाचल प्रदेश में शिमला, कुफरी, लाहौल-स्पीति और रोहतांग पास बर्फ की चादर बिछ गई है, वहीं 15 शहरों का तापमान 5 डिग्री से नीचे पहुंच गया। यहां 4-5 दिसंबर को बारिश-बर्फबारी का अलर्ट है। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर में गुलमर्ग, पहलगाम, सोनमर्ग और उत्तराखंड के औली, केदारनाथ घाटी, चोपता में ताजा बर्फबारी दर्ज की गई है।

मुंबई में गभीर स्थिति में पहुंची हवा की गुणवत्ता, लागू की गई ग्रैप-4 की पाबंदियां

मुंबई। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के बाद देश की आर्थिक राजधानी मुंबई की हवा में भी जहर घुल गया है। यहां वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) गभीर श्रेणी में पहुंच गया है। इसको देखते हुए प्रशासन ने ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) के चौथे चरण की पाबंदियां लागू कर दी गई है। ये पाबंदी मझगांव, देवनार, मालाड, बोरीवली ईस्ट, चाकला- अंधेरी ईस्ट, नेवी नगर, पवई और मुलुंड जैसे उच्च-प्रदूषण वाले इलाकों में लागू की गई है। मुंबई में अब ग्रैप -4 की पाबंदियों के तहत निर्माण और धूल फैलाने वाली गतिविधियों पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है।

पीएम मोदी करेंगे शुरुआत

लोकसभा में 8 दिसंबर को 'वंदे मातरम'पर चर्चा होगा...

नई दिल्ली/ एजेंसी

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया कि लोकसभा में सोमवार को राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ और मंगलवार को चुनाव सुधारों पर चर्चा होगी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक और कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) की बैठक के बाद यह निर्णय लिया गया। किरेन रिजिजू ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'आज लोकसभा अध्यक्ष की अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक के दौरान, सोमवार 8 दिसंबर को दोपहर 12 बजे से लोकसभा में राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ पर और मंगलवार 9 दिसंबर को दोपहर 12 बजे से चुनाव सुधारों पर चर्चा आयोजित करने का निर्णय लिया गया है।' बिजनेस एडवाइजरी काउंसिल की बैठक में तय हुआ कि 8 दिसंबर को लोकसभा में 'वंदे मातरम्' पर विस्तृत चर्चा होगी। इसके लिए 10 घंटे का समय निर्धारित किया गया है। इस ऐतिहासिक चर्चा की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। माना जा रहा है कि इस बहस में राष्ट्रगीत के इतिहास, महत्व और आधुनिक भारत में उसकी भूमिका पर बात होगी। वहीं संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान लोकसभा में कल से कार्यवाही बिना किसी व्यवधान के चलाने पर भी सहमति बन गई है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के कमरे में हुई फ्लोर लीडर्स की बैठक में यह निर्णय लिया गया। इस दौरान कई दलों ने सदन की कार्यवाही को नियमित और गंभीर विषयों पर केंद्रित

रखने पर सहमति जताई। वहीं यह भी तय हुआ कि 9 दिसंबर को चुनाव सुधारों पर चर्चा होगी, जिसके लिए 10 घंटे का समय दिया गया है। इस पर सरकार और विपक्ष दोनों अपनी राय रखेंगे। चर्चा पूरी होने के बाद केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल 10 दिसंबर को सरकार की ओर से जवाब देंगे। संसद का शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से शुरू होकर 19 दिसंबर तक चलने वाला यह सत्र 15 बैठकों का होगा। लोकसभा में पहले दो दिन हंगामे की भेंट चढ़ चुके हैं। यह सत्र कई महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर अहम माना जा रहा है और सभी दलों के सहयोग से इसे सुचारु रूप से संचालित करने का प्रयास किया जा रहा है। एक वरिष्ठ सांसद ने समाचार एजेंसी,ह्ढ्ढ से बात करते हुए बताया कि वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक विस्तृत और विशेष चर्चा होगी। यह चर्चा संसद के शीतकालीन सत्र का एक प्रमुख आकर्षण होने की उम्मीद है। यह भारत की सांस्कृतिक विरासत, स्वतंत्रता आंदोलन में वंदे मातरम की भूमिका और समकालीन भारत में इसकी प्रासंगिकता पर चर्चा का अवसर प्रदान करेगी। बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा रचित 'वंदे मातरम' पहली बार 7 नवंबर, 1875 को साहित्यिक पत्रिका 'बंगदर्शन' में प्रकाशित हुआ था। बाद में, बंकिम चंद्र चटर्जी ने इस भजन को अपने अमर उपन्यास 'आनंदमठ' में शामिल किया, जो 1882 में प्रकाशित हुआ।

केंद्र ने प्रधानमंत्री कार्यालय का नाम बदलकर 'सेवा तीर्थ' किया, देश में राजभवनों का नाम लोकभवन किया जाएगा

प्रधानमंत्री कार्यालय का नाम बदल गया है। अब पीएमओ को 'सेवा तीर्थ' के नाम से जाना जाएगा। इसके साथ ही केंद्रीय सचिवालय के नाम में भी बदलाव किया गया है। सचिवालय का नाम कर्तव्य भवन कर दिया गया है। इन बदलावों के साथ-साथ केंद्र सरकार ने देश में राज भवनों का नाम बदल कर लोक भवन करने का भी एलान किया है। इसके पहले दिल्ली में राजपथ का नाम बदलकर कर्तव्य पथ कर दिया गया था। वहीं प्रधानमंत्री आवास अब लोक कल्याण मार्ग कहलाता है। इन बदलावों के बीच उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु समेत देश के 8 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश ने अपने राजभवनों के नाम में बदलाव किया गया है।

संचार साथी ऐप पर बवाल!

वैकल्पिक है, हटा सकते हैं,विपक्ष कर रहा भ्रमित

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि संचार साथी ऐप को सक्रिय करना वैकल्पिक है और केंद्र के निर्देश से गोपनीयता संबंधी चिंताएँ और राज्य की निगरानी की आशंकाएँ पैदा होने के बाद इसे कोई भी हटा सकता है। केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ने ज़ोर देकर कहा कि राज्य द्वारा विकसित इस साइबर सुरक्षा ऐप में किसी भी तरह की जासूसी या कॉल निगरानी शामिल नहीं है। संसद के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए, सिंधिया ने ज़ोर देकर कहा कि ऐप को कभी भी हटाया जा सकता है और यह उपयोगकर्ता द्वारा सक्रिय किए जाने के बाद ही काम करता है। सिंधिया का यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब दूरसंचार विभाग ने निर्माताओं को दिए गए आदेश में स्पष्ट रूप से कहा है कि ऐप की कार्यक्षमता को अक्षम या प्रतिबंधित नहीं किया जाना चाहिए।

दिल्ली ब्लास्ट के आरोपी डॉ. शाहीन के लखनऊ स्थित घर पर एनआईए की रेड के दौरान मौके पर मौजूद अधिकारी।

नेवी चीफ ने खुद किया खुलासा

अब समुंद्र में भी गरजेगा राफेल-एडमिरल दिनेश

नई दिल्ली। फ्रांस और भारत के रिश्ते डील के बाद नई दिशा की ओर बढ़ते हुए नजर आ रहे हैं। पहले भारतीय सेना ने अपनी स्कवाडन के लिए राफेल को चुना था तो अब नौसेना ने भी राफेल को ही तरजीह दी है। भारतीय नौसेना के प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बड़ा ऐलान किया है। भारत फ्रांस से 26 राफेल मरीन लड़ाकू विमानों की डील को अगले कुछ महीनों में फइनल कर लेगा। चीफ ऑफनेवल स्टाफएडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने कहा है कि हमें उम्मीद है कि 2029 तक इंडियन नेवी को चार राफेल का पहला

सेट मिल जाएगा। जुलाई 2023 में ही रक्षा मंत्रालय ने इस खरीद को मंजूरी दे दी थी। पहले चार राफेल मरीन जेट 2029 के अंत तक मिल जाएंगे। इसके बाद 2030 में पांच और 2031 तक बाकी सभी 26 विमान नौसेना में शामिल हो जाएंगे।

सरदार पटेल ने उन्हें रोका था

सरकारी पैसों से बाबरी मस्जिद बनवाना चाहते थे नेहरू-राजनाथ

अहमदाबाद/ एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को एक बड़ा राजनीतिक दावा किया है। उन्होंने कहा कि जवाहरलाल नेहरू सार्वजनिक धन से यानी सरकारी पैसों अयोध्या में बाबरी मस्जिद का निर्माण कराना चाहते थे, लेकिन सरदार वल्लभभाई पटेल ने इस प्रस्ताव को आगे नहीं बढ़ने दिया। गुजरात के सडली गांव में आयोजित 'यूनिटी मार्च' कार्यक्रम में राजनाथ सिंह ने पटेल की भूमिका और उनके विचारों को विस्तार से बताया। राजनाथ सिंह ने कहा कि नेहरू ने सार्वजनिक धन से बाबरी मस्जिद बनाने का सुझाव दिया था, लेकिन

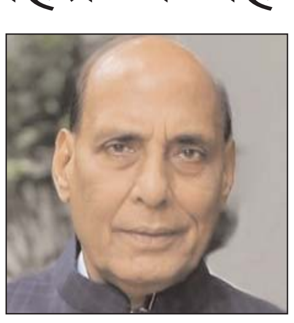

पटेल ने साफ मना कर दिया। उन्होंने आगे दावा किया कि नेहरू ने पटेल के निधन के बाद उनके स्मारक के लिए जनता द्वारा जुटाए गए धन को कुएं और सड़कों के निर्माण में खर्च करने का सुझाव दिया था, जो उनकी विरासत को दबाने की कोशिश थी। रक्षा मंत्री ने कहा कि पटेल सच्चे अर्थों में उदार और निष्पक्ष नेता थे, जिन्होंने कभी भी तुष्टिकरण की राजनीति नहीं की। कार्यक्रम में राजनाथ सिंह ने कहा कि सोमनाथ मंदिर को पुनर्निर्माण के लिए सरकार से एक भी पैसा नहीं लिया गया था, क्योंकि पूरा धन जनता से आया था। उन्होंने कहा कि इसी तरह अयोध्या में राम मंदिर भी पूरी तरह जनता के सहयोग से बना है और यह वास्तविक धर्मनिरपेक्षता का उदाहरण है। सिंह ने दावा किया कि कांग्रेस के 1946 के अध्यक्ष चुनाव में अधिकतर प्रस्ताव पटेल के पक्ष में थे, लेकिन महात्मा गांधी के अनुरोध पर पटेल ने अपना नाम वापस ले लिया और नेहरू अध्यक्ष बने।

दिल्ली विस्फोट: एनआईए ने जम्मू-कश्मीर और उत्तर प्रदेश में 8 जगहों पर की छापेमारी

नईदिल्ली। दिल्ली में गत 10 नवंबर को लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास द्व20 कार में हुए भीषण विस्फोट की जांच में जुटी राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर और उत्तर प्रदेश में कुल 8 जगहों पर छापेमारी की। इस छापेमारी के जरिए एजेंसी उन सबूतों की तलाश कर रही हैं जो जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी मॉड्यूल और दिल्ली विस्फोट मामले से जुड़े हो सकते हैं। छापेमारी में बरामदगी का विवरण अभी सामने नहीं आया है। रिपोर्ट के अनुसार, एनआईए ने सुबह कश्मीर के शोपियां में नदिगाम में गिरफ्तार मौलवी इरफान के घर पर छापेमारी की। पुलवामा के मलंगपोरा में डॉ अदील और डॉ मुजम्मिल के घरों पर भी तलाशी ली है।

कर्नाटक में सीएम की कुर्सी पर सस्पेंस खत्म?

जब कांग्रेस आलाकमान कहेगा तब डीके शिवकुमार सीएम बनेंगे

नई दिल्ली/ एजेंसी

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के साथ दूसरी नाश्ते की बैठक के बाद, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने मंगलवार को दोहराया कि कांग्रेस नेता एकजुट हैं और मिलकर कांग्रेस सरकार चलाएँगे। कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद को लेकर चल रही खींचतान के बीच, डीके शिवकुमार के मुख्यमंत्री बनने के बारे में पूछे जाने पर, सिद्धारमैया ने कहा, जब आलाकमान कहेगा। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने इससे पहले उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार से उनके आवास पर

मुलाकात की थी, जहाँ दोनों के बीच दूसरी नाश्ते की बैठक हुई थी। अपनी पहली मुलाकात में इडली-सांभर और उपमा के बाद, डीके शिवकुमार ने पारंपरिक नाटी चिकन और इडली की गरमागरम प्लेटों के साथ सिद्धारमैया की मेज़बानी की। सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि कोई मतभेद नहीं हैं। डीके शिवकुमार और मैं एकजुट हैं। हम सरकार चला रहे हैं। भविष्य में भी हम एकजुट होकर सरकार चलाएंगे। उन्होंने कहा कि आज डीके शिवकुमार ने मुझे नाश्ते पर बुलाया। मैं आने के लिए तैयार हो गया। आज हम दोनों ने नाश्ता किया और डीके सुरेश भी मौजूद थे... नाश्ते के बाद, हमने विधानसभा सत्र पर चर्चा की। तय हुआ कि 8 दिसंबर को सांसदों की एक बैठक बुलाई जाए। हम किसानों के मुद्दों और राज्य के अन्य मुद्दों पर चर्चा करेंगे। हम दोनों आलाकमान, खासकर राहुल, सोनिया, प्रियंका और मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा उठाए गए कदमों को स्वीकार करेंगे।

वंदे मातरम पर भी बोले

वो फसादी,हम जिहादी...मदनी ने किसे लेकर दिया यह बयान

नई दिल्ली। एजेंसी

मौलाना महमूद मदनी ने एक साक्षात्कार में जिहाद के असली अर्थ स्पष्ट करने का दावा किया है। उन्होंने कहा, 'इस शब्द के वास्तविक अर्थ को लेकर कुछ भ्रम पैदा किया गया है। जिहाद के कई अर्थ हैं। सबसे बड़ा जिहाद अपने लक्ष्य के बारे में स्पष्ट दृष्टिकोण रखना और खुद का व्यक्तित्व बेहतर बनाने की दिशा में काम करना है। जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना मदनी ने समाचार एजेंसी एएनआई के साथ एक साक्षात्कार में कई विषयों पर विस्तार से बातें कीं। उन्होंने कहा, 'अगर अन्याय हो रहा है, तो उसके खिलाफआवाज उठाना भी जिहाद है। वंदे मातरम को लेकर अपनी टिप्पणियों के बारे में एक सवाल पर उन्होंने कहा कि अभी जबरदस्ती करवाई जा रही है। जगह-जगह कहा जा रहा है कि इसे बोलें ही बोलें। ...ये तो आइडिया ऑफइंडिया नहीं है। भारत के राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम से जुड़े एक सवाल पर जमीयत प्रमुख मदनी ने कहा, 'हमारे संगठन ने 2011 और उससे पहले भी काफी बहस की थी। अब वे (सरकार) कह रही है कि वंदे मातरम अनिवार्य होगा। उन्होंने कहा कि इसे जबरन लागू करना भारत का विचार नहीं है। अगर जरूरी हुआ तो हम इस फैसले और विचार को अदालत में चुनौती भी देंगे। उन्होंने चुनौती देने की रणनीति को लेकर कहा, 'सबसे पहले हम इस विषय पर सभी लोगों से बात करेंगे और नागरिक समाज को एक साथ लाने की कोशिश करेंगे। संगठन और अपनी भूमिका को लेकर मदनी ने एक अन्य सवाल के जवाब में कहा, 'जब से

मैंने इस संगठन में एक सचिव के रूप में प्रवेश किया है, मैंने इसे अपने जीवन का मिशन बना लिया है कि आतंकवादियों ने जिन इस्लामिक शब्दों को गलत तरीके से समझाया है, उसे ठीक करके सबके सामने लाऊं।' उन्होंने कहा, 'हम जिहाद का मतलब आतंकवादियों से लड़ना समझते हैं। मैंने हमेशा कहा है कि वे 'फसादी' हैं, और हम 'जिहादी' हैं। उन्होंने सत्ताधारी खेमे पर भी गंभीर आरोप लगाए। मदनी ने कहा, चाहे केंद्र हो या राज्य सरकार के मंत्रालय, सबने फैसला किया है कि अगर मुसलमानों से जुड़ी कोई भी नकारात्मक बात सामने आती है, तो उसे जिहाद कहा जाएगा। हालांकि, सच्चाई ये है कि जिहाद एक पवित्र शब्द है। हम जिहाद के असली अर्थ के लिए लड़ रहे हैं... लव जिहाद, जमीन जिहाद, 'थूक जिहाद' और वोट जिहाद मुसलमानों को गाली देने के लिए नए शब्दों के रूप में गढ़े गए हैं। उन्होंने कहा कि जिहाद शब्द को इस्लाम से जोड़कर बहुत ही योजनाबद्ध तरीके से गालियां दी जाती थी। यह सिलसिला लंबे समय तक जारी रहा। बकौल मदनी, 'अब सरकारी स्तर पर मुसलमानों को गाली दी जा रही है। यह मान लिया गया है कि सभी मुसलमान 'जिहादी' और 'फसादी' हैं। ऐसे में यह मेरी जिम्मेदारी बन गई है कि मैं जिहाद के असली अर्थ समझाऊं। एक और सवाल के जवाब में मदनी ने कहा, 'हम परेशान हैं, और ऐसा अचानक नहीं हुआ है।

हमारी चिंताओं को विश्वासघात मानना ठीक नहीं

जमीयत प्रमुख मदनी के मुताबिक अगर स्थिति वास्तव में चिंताजनक नहीं है, तो हमारे समुदाय को ये बात समझने की जरूरत है, अगर परिस्थियां सामान्य नहीं हैं तो आपको (सरकार) को समझने की जरूरत है। उन्होंने कहा, बीते कई दिनों से हम अपनी चिंताओं के बारे में अपने समुदाय के साथ-साथ पूरे देश के सामने रखने की कोशिश कर रहे हैं। अगर हमारी चिंताओं को विश्वासघात के रूप में साबित किया जाएगा, तो यह बहुत गलत होगा। हम 60 फीसदी मौन को संबोधित करना और स्वीकार करना चाहते हैं। बहुमत हमारे साथ है। उन्होंने जिहाद को लेकर अपने पुराने बयान और उसके कारण उपजे विवाद को लेकर कहा, 'मैंने जो कुछ भी कहा है उसका आतंकवाद और हिंसा से कोई लेना-देना नहीं है। हम राष्ट्रीय विकास और राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों पर एकजुट हैं।

अपने अपने क्षेत्रों में विशिष्ट योगदान के लिए चार विभूतियों का हुआ सम्मान।

प्रेस क्लब ऑफ कुम्हारी का वार्षिकोत्सव एवं सम्मान समारोह संम्पन्न

कुम्हारी। प्रेस क्लब ऑफकुम्हारी का 11 वां वार्षिकोत्सव एवं सम्मान समारोह प्रेस क्लब सभागार में संम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में कुम्हारी नगर पालिकाध्यक्ष मीना वर्मा, अति विशिष्ट अतिथि शशांक शर्मा (अध्यक्ष छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी) एवं वरिष्ठ पत्रकार बाबूलाल शर्मा उपस्थित थे। कार्यक्रम के प्रारम्भ में अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित एवं सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ। अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि मीना वर्मा ने कहा कि नगर के लिए यह गर्व की बात है कि यहां ऐसी प्रतिभाएं मौजूद हैं और इनकी प्रतिभा को पहचानकर पत्रकारों ने इनका सम्मान किया इसके लिए सभी पत्रकारों को साधुवाद। विशिष्ट अतिथि शशांक शर्मा ने कहा कि वाकई कुम्हारी के पत्रकार साथी इसके लिए बधाई के पात्र हैं जहां तक मैं जानता हूँ पत्रकार समाचारों का संकलन करता है और उसे प्रकाशन हेतु भेजता है लेकिन यहां के पत्रकार समाज से जुड़कर कार्य कर रहे हैं इसके लिए वे बधाई के पात्र हैं। विशिष्ट अतिथि एवं वरिष्ठ पत्रकार बाबूलाल शर्मा ने कहा कि समाज के विभिन्न क्षेत्रों से प्रतिभाओं को निकालकर उनका सम्मान कर उन्हें बेहतर कार्य के लिए प्रेरित करना बेहद गर्व की बात है और कुम्हारी प्रेस क्लब के पत्रकार साथी इस काम को बखूबी अंजाम दे रहे हैं वे सभी बधाई के पात्र हैं इससे लोगों में समाज हित मे कार्य करने की प्रेरणा मिलती है। अतिथि हितेश शर्मा ने इस प्रयास को अभूतपूर्व बताते हुए अन्य संगठनों को भी ऐसा करने की बात कही। इस वर्ष शिक्षा के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए लता रघुकुमार, कला के क्षेत्र में राजेंद्र साहू, साहित्य के क्षेत्र में मुरारीलाल साव एवं पत्रकारिता के क्षेत्र में विशिष्ट कार्य करने हेतु शैलेन्द्र खरे को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत मे अध्यक्ष विक्रम शाह ठाकुर ने कहा कि विगत 11 वर्षों से यह सिलसिला चलता आ रहा है समाज हित मे और समाज के लिए किए गए सराहनीय कार्यों के लिए हम लोगों का सम्मान करते आ रहे हैं यह हमारी ओर से उन विभूतियों के लिए एक छोटा सा प्रयास है ताकि इनके पदचिन्हों में चलकर और लोग भी समाज के लिए कार्य करने आगे आएंगे। इस आयोजन में बड़ी संख्या में पत्रकार एवं साहित्यकारों सहित नगर के गणमान्य नागरिक भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सुरेश वाहने एवं रविन्द्र कुमार थापा ने किया। आभार अजय यादव ने प्रस्तुत किया।

सीजीपीएससी में 35वीं रैंक हासिल कर अमन नायक ने बढ़ाया पाटन का मान

जितेन्द्र वर्मा बोले: मेहनत और संकल्प की मिसाल

दुर्ग/पाटन। पाटन विधानसभा क्षेत्र के देवादा गांव के लिए गर्व का क्षण है, जहां के होनहार युवा अमन नायक (पुत्र रूपनारायण 'रूपू' नायक) ने छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में शानदार सफलता प्राप्त करते हुए 35वीं रैंक हासिल की और अधीनस्थ लेखा सेवा अधिकारी पद पर चयनित हुए। इस उपलब्धि पर भाजपा प्रदेश मंत्री जितेन्द्र वर्मा देवादा पहुंचकर अमन नायक एवं उनके परिवार से मुलाकात की और उन्हें हार्दिक बधाई दी। उन्होंने अमन के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा–अमन नायक की सफलता अथक परिश्रम, अनुशासन और दृढ़ संकल्प का परिणाम है। वे प्रदेश और पाटन क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उनकी यह उपलब्धि नई पीढ़ी में आत्मविश्वास और ऊर्जा का संचार करती है। वर्मा ने आगे कहा कि ईश्वर से प्रार्थना है कि अमन नायक निरंतर सफलता प्राप्त करते रहें और अपने परिवार व क्षेत्र का नाम इसी प्रकार रोशन करें। इस अवसर पर उपस्थित रहे– खूबचंद वर्मा (आर.आई.), पोषण वर्मा, राजेंद्र वर्मा, केशव बंछोर, खिलेश (वासु) वर्मा, दिलीप वर्मा, मुकेश कुमार, करण वर्मा सहित गांव के अन्य सम्मानित नागरिक।

पावरग्रिड कुम्हारी में राज्य स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता- 2025 संम्पन्न

ऊर्जा संरक्षण के संदेश को बच्चों ने अपनी तूलिका से जीवंत किया

कुम्हारी। ऊर्जा संरक्षण के महत्व को रचनात्मकता के माध्यम से जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से पावरग्रिड कुम्हारी ने राज्य स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता-2025 का सफल आयोजन किया। पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि रजनीश तिवारी, मुख्य महाप्रबंधक (परिसम्पत्ति प्रबंधन), प. क्षे.-1, पावरग्रिड उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि संजय खंडेलवाल (मुख्य अभियंता, सीएसपीडीसीएल) एवं निहार रंजन साहू (वरिष्ठ परियोजना समन्वयक, क्रेडा) ने बच्चों को ऊर्जा संरक्षण के महत्व पर प्रेरित किया। कार्यक्रम अध्यक्ष आर.पी. साहू ने बताया कि इस वर्ष प्रतिभागिता पिछले वर्षों के मुकाबले दोगुनी रही, जिसमें बस्तर, सुकमा जैसे दूरस्थ जिलों से भी बच्चों ने भाग लिया। राज्य स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता-2025 में ऊर्जा संरक्षण के संदेश को बच्चों ने अपनी रचनात्मकता से जीवंत किया। ग्रुप-ए (कक्षा 5, 6 और 7) मे प्रथम स्थानः सान्वी संचिता, ओ पी जिंदल स्कूल, रायगढ़ (कक्षा 6), द्वितीय स्थानः अक्षिता सिंह, होलीक्रॉसस सीनियर सेकेंडरी स्कूल, बिलासपुर (कक्षा 7), और तृतीय स्थानः शिवम कुमार मेहर, पी एम स्कूल जे एन वी भूपदेवपुर, रायगढ़ (कक्षा 7) को मिला और ग्रुप-बी (कक्षा 8, 9 और 10) मे प्रथम स्थानः ऋषभ वर्मा, सेंट टेरसा कान्वेंट स्कूल, रायगढ़ (कक्षा 8) द्वितीय स्थानः ख्याति पी., दिल्ली पब्लिक स्कूल, रायपुर (कक्षा 9) और तृतीय स्थानः स्तुती दुबे, सेंट जेवियर्स पब्लिक स्कूल, कोरबा (कक्षा 8 'A') को प्राप्त हुआ। दोनों श्रेणियों के विजेताओं को क्रमशः रु. 50,000, रु. 30,000 और रु. 20,000 के पुरस्कार प्रदान किए गए।

कलेक्टर सिंह ने की निर्वाचक नामावलियों की विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य की समीक्षा

दुर्ग। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अभिजीत सिंह ने नगर निगम दुर्ग के सभाकक्ष में विधानसभा क्षेत्र दुर्ग शहर और नगर निगम भिलाई में विधानसभा क्षेत्र वैशाली नगर एवं भिलाई नगर में चल रहे निर्वाचक नामावलियों की विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य की मतदान केन्द्रवार समीक्षा की। उन्होंने 55 प्रतिशत से कम वाले मतदान केन्द्र के बीएलओ से तथा 55 से 70 प्रतिशत वाले मतदान केन्द्र के बारे में सुपरवाइजर से वीडियो कॉलिंग के माध्यम से समस्या की विस्तृत जानकारी ली। इसी प्रकार 70 से 90 प्रतिशत वाले केन्द्रों के संबंध में ईआरओ और एईआरओ से जानकारी ली। साथ ही शत-प्रतिशत कार्य पूर्ण करने के संबंध में रायशुमारी की गई। कलेक्टर ने कहा कि राष्ट्रीय महत्व के इस कार्य को प्राथमिकता के साथ सभी को समय पर पूर्ण किया जाना है। गणना पत्रक जमा करने के अंतिम तिथि के इन्तजार किये बगैर बीएलओ को संबंधित क्षेत्र के घर-घर जाकर गणना पत्रक संग्रहण करना होगा। जो मतदाता गणना पत्रक वापस जमा नहीं कर रहे हैं ऐसी स्थिति में पंचनामा तैयार कर इस पर मतदाता का हस्ताक्षर करवा कर रखें। इसी प्रकार बीएलओ द्वारा गणना पत्रक वितरण हेतु तीन बार मतदाता के घर जाने पर भी यदि मतदाता नहीं मिले तो घर में नोटिस चस्पा कर, मौके पर पंचनामा तैयार कर, ऐसे मतदाताओं का शिफ्टेट फार्म भरा जाए। उन्होंने कहा कि यदि व्यक्ति मतदान केन्द्र से संबंधित वार्ड में निवासरत् नहीं है। वर्तमान में अन्यत्र निवास कर रहा है, ऐसे मतदाताओं को गणना पत्रक उपलब्ध न कराएं। कलेक्टर ने कहा कि सुपरवाइजर एवं बीएलओ यह सुनिश्चित करें कि 30 नवम्बर की रात्रि तक सभी मतदान केन्द्रों से संबंधित वितरित गणना पत्रक बीएलओ को वापस जमा हो जाएं। मेपिंग पश्चात् चिन्हांकित एएसडी की एन्ट्री रात्रि तक पूर्ण कर ली जाए। गणना पत्रक एन्ट्री पश्चात् आगामी दो दिनों में डिजिटाइजेशन का कार्य पूर्ण किया जाए। उन्होंने अवगत कराया कि वर्तमान में सिंगल मल्टीपल लॉगिन चल रहा हैं। यदि निर्वाचन आयोग इसे बंद कर दिया तो गणना पत्रक एन्ट्री करना संभव नही हो पाएगा। इसे ध्यान में रखते हुए गणना पत्रक संग्रहण हेतु सुपरवाइजर, बीएलओ एवं उनके सहायक कर्मचारी पूरा जोर लगाएं ताकि आगामी दो दिनों में संग्रहित पत्रकों का डिजिटाइजेशन किया जा सकें। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी अपर कलेक्टर विरेन्द्र सिंह, दुर्ग शहर ईआरओ एडीएम अभिषेक अग्रवाल, भिलाई नगर ईआरओ अपर कलेक्टर योगिता देवांगन, वैशाली नगर ईआरओ संयुक्त कलेक्टर शिल्ली थामस, आयुक्त नगर निगम दुर्ग सुमीत अग्रवाल, आयुक्त नगर निगम भिलाई राजीव पाण्डे, दुर्ग शहर एसडीएम उत्तम ध्रुव एवं एईआरओ सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

ग्राम पंचायत जमराव में मितानीन दिवस पर हुआ सम्मान समारोह

पाटन। ग्राम पंचायत जमराव में दिनांक 29 नवंबर 2025, शनिवार को मितानीन दिवस का आयोजन गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर मितानीन बहनों के साथ ही सुपरवाइजर, आँगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एवं ग्राम पंचायत जमराव की सरपंच जागेश्वरी भेषकुमार सोनकर ने सभी मितानीन, सुपरवाइजर, आँगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं को साड़ी एवं श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया।सम्मानित मितानीनगण –उमा निषाद, पार्वती निषाद, संगीता नन्हारेसुपरवाइजर – रमादेवी साहूआँगनबाड़ी कार्यकर्ता –रामेश्वरी निषाद, सविता नन्हारे, नीरु धनकर, संतोषी सोनकर, सुनीता साहू, सविता नन्हारेतथा सभी सहायिकाओं को भी साड़ी एवं श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पंच सुलोचना धनकर, नैना साहू, राजबती यादव, खोरबाहरा साहू, ग्रामीणजन परदेशी राम साहू, तथा ग्राम पंचायत के सचिव विष्णु प्रसाद बंजारे भी उपस्थित रहे। मितानीन दिवस का यह आयोजन ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं में मितानीनों, आँगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं के अमूल्य योगदान को सम्मानित करने हेतु समर्पित रहा। कार्यक्रम के माध्यम से स्वास्थ्य जागरूकता, सेवा भावना तथा सामुदायिक सहभागिता को और अधिक सशक्त बनाने का संदेश दिया गया।

सेलूद में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ मन की बात कार्यक्रम का श्रवण

- भाजपा प्रदेश मंत्री जितेन्द्र वर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' सुना

दुर्ग/सेलूद। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और विद्वानों की पावन धरती सेलूद ग्राम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जनप्रिय कार्यक्रम ÷मन की बात के 128वें संस्करण का सामूहिक श्रवण आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश मंत्री जितेन्द्र वर्मा ने भाजपा पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों के साथ भाग लिया। भाजपा प्रदेश मंत्री जितेन्द्र वर्मा ने इस अवसर पर कहा– मन की बात कार्यक्रम देश के हर नागरिक की भावनाओं, उम्मीदों और संकल्पों को नई दिशा देने वाला जनप्रेरणा का सशक्त माध्यम है। यह हमें राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी और सकारात्मक परिवर्तन के लिए प्रेरित करता है। भाजपा जिला महामंत्री दिलीप साहू ने कहा–आदरणीय प्रधानमंत्री ने मन की बात के माध्यम से देशवासियों में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार किया। उन्होंने वोकल फॉर लोकल, G20 बैठक, नेशनल म्यूजियम, स्वदेशी INS 'माहे', इसरो ड्रोन प्रतियोगिता, खाद्यान्न उत्पादन और संविधान दिवस सहित कई महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी साझा की। पाटन मंडल अध्यक्ष रानी बंछोर ने कहा– मन की बात वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने सहित अनेक ऐतिहासिक व सामाजिक विषयों को उजागर कर देश के वर्तमान, अतीत और भविष्य का मार्गदर्शन करती है। भाजपा कार्यकर्ताओं ने की सक्रिय उपस्थिति- कार्यक्रम में प्रमुख रूप से भाजपा प्रदेश मंत्री जितेन्द्र वर्मा, जिला महामंत्री दिलीप साहू, मंडल अध्यक्ष मती रानी बंछोर, निवर्तमान मंडल अध्यक्ष खेमलाल साहू, हरप्रसाद आडिल, टामन साहू, कृष्ण कुमार साहू (मंडल महामंत्री), महेश्वर बंछोर, तारेन्द्र बंछोर, केशव बंछोर, बूथ अध्यक्ष, शक्ति केंद्र पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय समितियों की बैठक संपन्न, कलेक्टर ने बैंक खातों को सक्रिय कराने दिए निर्देश

दुर्ग। जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति एवं जिला स्तरीय समीक्षा समिति की बैठक विगत दिवस कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में दुर्ग जिले की सभी बैंकों में संचालित विभिन्न सेवाओं व योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में कलेक्टर सिंह ने जिले के शासकीय विभागों से संबंधित 1981 निष्क्रिय बैंक खातों जिनमें लगभग 9 करोड़ 21 लाख रुपये की राशि लंबित है, तथा 1264 डीईएएफ(DEAF दावा रहित जमा राशि) खातों जिनमें लगभग 2 करोड़ 62 लाख रुपये की राशि संचित है, उन सभी खातों को 30 नवंबर 2025 तक सक्रिय कराने के लिए खाताधारकों से संपर्क सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही कलेक्टर ने विभिन्न विभागों के लंबित आवेदनों को समयावधि में निराकृत कर लक्ष्य प्राप्ति हेतु सभी बैंक एवं विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दुर्ग बजरंग दुबे, भारतीय रिज़र्व बैंक से दिग्विजय राउत, अग्रणी बैंक प्रबंधक संजय गर्ग सहित डीआईसी, मत्स्य पालन, कृषि विभाग, नगर निगम, एनआरएलएम विभाग के अधिकारी एवं सभी बैंकों के जिला समन्वयक उपस्थित थे।

कुम्हारी के ट्रांसपोर्टर के गाड़ी नम्बर से बिहार में चल रही गाड़ी, आरटीओ की चलानी कार्यवाही से हुआ खुलासा

कुम्हारी। कुम्हारी के ट्रांसपोर्टर सर्वजीत सिंह की गाड़ी मांक सी जी 04 एल टी 5516 पर चालानी कार्यवाही की जानकारी भोजपुर बिहार आर टी ओ द्वारा विगत 27 नवम्बर को उनके मोबाइल नम्बर 9425205516 में दी गई उक्त ई चालान देख उन्हें हैरत हुई उन्होंने बताया कि उनकी गाड़ी कभीं भोजपुर बिहार गई ही नही है फिर उनकी गाड़ी का भोजपुर में ई चालान होना चौंका देने वाली बात थी। जबकि उनके इस नम्बर की गाड़ी अभी वर्तमान में अहमदाबाद गुजरात मे खड़ी है इस बात से यह स्पष्ट है कि कोई व्यक्ति उनकी गाड़ी का फर्जी नम्बर प्लेट लगाकर गाड़ी चला रहा है। सर्वजीत सिंह ने इस बात की जानकारी कुम्हारी थाना में लिखित रूप से देकर कार्यवाही की मांग की है साथ ही ई चालान, टोल टैक्स की सम्पूर्ण जानकारी भोजपुर बिहार के आरटीओ को भी भेज दी है।

परसदा राशन दुकान में नवंबर महिने के लिए ओटीपी जनरेट, दिसंबर में मिलेगी राशन,कई हितग्राही हो सकते हैं वंचित

कुम्हारी। नगर पालिका परिषद कुम्हारी क्षेत्र के ग्राम परसदा वॉर्ड 12,16 में महीने के आखिर दिन राशन लेने के लिए हितग्राहियों की भीड़ रही। लोगों का कहना है कि लगातार दुकान नहीं खुलने के कारण वे राशन नहीं ले पाए हैं, और दुकानदार ने नमक और शक्कर का वितरण नहीं किया है। दुकानदार का कहना है कि राशन के आबंटन नहीं होने के कारण दुकान नहीं खोली गई थी, लेकिन अब राशन का स्टॉक होने पर हितग्राहियों को चावल और शक्कर देने के लिए खोला गया है। हालांकि, सर्वर डाउन होने की समस्या होने लगी है, जिससे ओटीपी नहीं आने पर हितग्राहियों को परेशानी हो रही है। लोगों में नाराजगी देखी जा रही है, क्योंकि उन्हें नवंबर माह का चावल और शक्कर नहीं मिलेगा यदि उनका ओटीपी नहीं होता है। इस ओर खाद्य विभाग के अधिकारी भी चुप्पी साधे हुए हैं, और लोगों को समय पर राशन मिल रहा है या नहीं, किसी को कोई मतलब नहीं है। वॉर्ड पार्षद डिकेंद साहू ने उक्त मामले में नाराजगी जाहिर की है। राशन कार्ड धारियों से मिली जानकारी के अनुसार हर महिने शुरुआती दौर में चावल नामक शक्कर दिया जाता है। फिर कुछ दिन बाद शक्कर नमक नहीं होने की हवाला देकर नही दिया जाता और हितग्राही पूरे महिने भर राशन दुकान के चक्कर काटते हैं शक्कर के लिए।इस बार तो हद हो गई महिने के आखिरी दिन नवंबर का चावल और शक्कर, नमक लेने दुकान में भिड़ देखने को मिला जिस पर जिम्मेदार अधिकारी और जनप्रतिनिधि भी चुप चाप देख रहे हैं।आखिर लोगों को महिने का पूरा राशन एक साथ क्यों नही दी जाती।

प्रदर्शन पर चली पुलिस की लाठी, चक्का जाम हुआ फेल

बिल्डर नेता मनोज राजपूत सहित 6 गिरफ्तार

दुर्ग। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा हाल ही में रजिस्ट्री शुल्क के नियमों में किए गए बदलावों के खिलाफ दुर्ग में पिछले आठ दिनों से जारी आंदोलन आज हिंसक हो गया, जिसके बाद प्रशासन को प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज करना पड़ा। इस कार्रवाई में बिल्डर समुदाय के नेता मनोज राजपूत समेत करीब 5 से 6 आंदोलनकारियों को गिरफ्तार किया गया है।

दरअसल, समाजसेवी और बिल्डर एसोसिएशन के सदस्य रजिस्ट्री शुल्क की बढ़ी हुई दरों को तत्काल वापस लेने की मांग कर रहे थे। अपनी आवाज सरकार तक पहुंचाने के लिए, सोमवार को प्रदर्शनकारियों ने काले कपड़े पहनकर और हाथों में काले झंडे लेकर विरोध मार्च निकाला।

प्रदर्शनकारियों ने दुर्ग के पटेल चौक पर पहुंचकर चक्का जाम करने का प्रयास किया, लेकिन मुस्तैद पुलिस बल ने रैली को कलेक्ट्रेट कार्यालय के समीप ही बैरिकेड लगाकर रोक लिया। जब प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड्स तोड़ने का प्रयास किया, तो पुलिस के साथ उनकी तीखी धक्का-मुक्की हुई।

स्थिति तब और तनावपूर्ण हो गई जब भीड़ में से किसी ने पुलिसकर्मियों पर डंडा युक्त झंडा फेंककर चोट पहुंचाने की कोशिश की और पानी की बोतलें भी फेंकीं।

हालात नियंत्रण से बाहर होते देख, पुलिस ने बल प्रयोग किया और आंदोलनकारियों को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज कर दिया। पुलिस ने मौके से मनोज राजपूत सहित लगभग आधा दर्जन प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बम्हनी में मितानिन दीदियों का सम्मान

कोण्डागांव। सभी पांचों विकासखंड के मितानिनों का पंचायत एवं विभागीय स्तर पर सम्मान किया जा रहा है। इसी क्रम में 28 नवंबर को विकासखंड कोण्डागांव के अंतर्गत सेक्टर बम्हनी के आश्रित केंद्र संबलपुर बम्हनी बोरगांव कारियाकाटा हंगवा के 51 मितानिनों एवं 4 मितानिन प्रेरक का सम्मान स्वास्थ परिवार बम्हनी के अधिकारी कर्मचारियों द्वारा सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सेक्टर के मेडिकल ऑफिसर डॉ. रिंकू मरकाम प्रभारी कृष्णा पटेल और पर्यवेक्षक संजय नायडू ने संयुक्त रूप से बताया कि मितानिन सम्मान दिवस 23 नवंबर को प्रदेश स्तर पर मनाया जाता है। इसी के तहत सम्मान कार्यक्रम प्रति वर्ष उक्त तिथि में मनाया जाता है। मितानिन कार्यकम वर्ष 2004 में प्रारंभ किया गया, जिसका मुख्य उददेश्य दूरस्थ ग्रामीण अंचल के ग्राम पारा टोले की जागरूक एवं शिक्षित इच्छुक महिला को चयनित कर स्वास्थ कार्यक्रम की जानकारी के साथ प्रशिक्षित किया गया, ताकि वे अपनी निःशुल्क सेवा समाज को दे सके। आज वर्तमान समय में विभाग एवं समाज में अपनी छवि एक समाज सेविका के रूप में पहचान बनाई है उनकी सेवा भावना से विभाग में भी बेहतर परिणाम स्वरूप विभागीय कार्यक्रम में प्रोत्साहन राशि दिया जाने लगा, जिससे वे अपनी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ कर समाज में और भी स्वास्थ के प्रति बेहतर कार्य कर सके आज स्वास्थ विभाग के साथ साथ अन्य विभाग के कर्मचारी अधिकारी भी किसी न किसी कार्य के लिए मितानिन दीदियों को दायित्व सौंपते है, इनकी सेवा भावना को सम्मानित करने के लिए शासन प्रशासन द्वारा वर्ष 2011 से 23 नवम्बर को प्रति वर्ष पंचायत एवं स्वास्थ विभाग के द्वारा ब्लॉक एवं सेक्टर स्तर पर भी सम्मानित किया जाता है। मितानिन दीदियों द्वारा अपने एरिया के ग्राम टोले में 200 से 250 जनसंख्या के परिवार को जन्म से मृत्यु तक के समय की सेवा संबंधित केंद्र के कर्मचारी के साथ सामंजस्य कर करती है समाज में सही आयु में विवाह से लेकर प्रथम तिमाही में गर्भवती महिला की पंजीयन, समय पर उच्च जोखिम महिला की पहचान, गर्भवती महिला एवं बच्चो का टीकाकरण में सहयोग, संस्थागत प्रसव के लिए प्रेरित करना, प्रधानमंत्री मातृत्व सुरक्षा अभियान की निर्धारित तिथि 9 एवं 24 तारीख को नजदीकी पी एच सी एवं जिला अस्पताल में भी हितग्राहियों को ले जाने का कार्य के साथ गर्भावस्था के समय एवं प्रसव उपरांत फॉलोअप कार्य, टी बी, कुष्ठ, मोतियाबिंद के संभावित मरीजों की पहचान एवं उपचारित मरीजों का फॉलोअप कार्य, परिवार कल्याण कार्यक्रम के अस्थाई एवं स्थाई साधन की जानकारी के लिए प्रेरित करना एवं गैर संचारी रोग का पंजीयन एवं जांच कराने में सहयोग करना इसके अन्य कार्य में सतत संलग्न रहती है और वर्तमान समय स्वास्थ विभाग और समाज में सबसे निचले स्तर की मुख्य कड़ी के नाम से जानी पहचानी जा रही है। इस अवसर पर सभी मितानिन दीदियों का सम्मान कर सेक्टर गर्व महसूस कर रहा है। अब से प्रति वर्ष सेक्टर स्तर पर ये कार्यक्रम का आयोजन किए जाने की बात कही गई। इस दौरान पीएचसी के दीपक नाग, धनेश्वरी ध्रुव, शालू वट्टी, बिंदे लता ठाकुर, सन्मति सोरी, निर्मला मालेकर, बिंदिया पटेल, दीपिका नेताम, धनेश्वरी नाग, निर्मला नेताम, मयंक देवांगन, घुड़वंत कुलदीप, ओम प्रकाश देवांगन, सियाराम कश्यप, एम टी लता साहू, विषनाथ एवं अन्य समस्त विभागीय कर्मचारी मितानिन प्रेरक उपस्थित रहे।

किरन्दुल में एनएसएस शिविर के छठवें दिन बौद्धिक चर्चा व पौधारोपण का कार्यक्रम सम्पन्न

किरंदुल। किरन्दुल में एनएसएस शिविर के छठवें दिन प्रार्थना एवं योगाभ्यास किया गया।योगाभ्यास में स्वयं सेवकों के द्वारा में सूर्य नमस्कार एवं 12 विधिओं का अभ्यास किया गया। तत्पश्चात परियोजना कार्य के अन्तर्गत जल निकासी मार्ग बनाया गया तथा प्राथमिक शाला पटेलपारा के प्रांगण में शाला के सामने पौधा रोपण किया गया। बौध्दिक चर्चा के अन्तर्गत नर्सरी प्रबन्धक के द्वारा वृक्षारोपण तथा उनकी देखभाल व महत्वता की जानकारी दी गई।

शराबखोरी पर ग्राम पंचायत कोकोड़ी का कड़ा रुख खुटडोबरा व दोड़ापारा ग्रामीणों ने सफाई अभियान चलाया

कोण्डागांव। कोण्डागांव के ग्राम पंचायत कोकोड़ी अंतर्गत खुटडोबरा और दोड़ापारा के ग्रामीणों ने गांव के पास स्थित शराब दुकान क्षेत्र में फैली अव्यवस्था के खिलाफ सामूहिक रूप से आवाज उठाई है। रविवार की सुबह महिला, पुरुष, युवा, बच्चे और सरपंच सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मार्ग क्षेत्र में एकत्र हुए। उन्होंने निर्णय लिया कि, सबसे पहले वे सड़क किनारे व मार्ग में फेंकी गई शराब की खाली बोतलों की सफाई करेंगे, जिसके बाद गांव की मर्यादा भंग करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। कोकोड़ी गांव के सरपंच मनसुख नेताम, ग्रामीण महिलाएं उमेश्वरी नेताम, गंदोबाई नेताम, शांति कोर्राम वह अन्य जानकारी देते हुए बताया कि, ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से तय किया कि, अब मार्ग क्षेत्र में शराब पीते पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति पर ग्राम पंचायत की ओर से 3000 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। यदि इसके बाद भी शराबियों की हरकतें जारी रहीं तो वे शासन-प्रशासन के खिलाफ व्यापक आंदोलन करेंगे। महिलाओं और युवतियों ने आरोप लगाया कि सड़क पर खड़े होकर शराब पीने से उन्हें रोजाना लज्जाजनक स्थितियों का सामना करना पड़ता है। कई बार छेड़छाड़ जैसी घटनाएं भी सामने आ चुकी हैं। वहीं शराब पीकर फेंकी जा रही खाली बोतलों के कारण आसपास के जंगल, खेत, तालाब और मवेशियों के चराई क्षेत्र तक प्रभावित हो रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि इन बोतलों से जानवरों को चोट लगने, आग लगने जैसी समस्याएं भी बढ़ रही हैं। ग्रामवासियों ने एकमत होकर कहा कि गांव की सुरक्षा, मर्यादा और स्वच्छता के लिए यह कदम आवश्यक है और अब शराबखोरी के खिलाफ उनका जनआंदोलन और भी मजबूत होगा।

गाइडलाइन दरों में भारी बढ़ोतरी के खिलाफ कांग्रेस का हल्लाबोल कोण्डागांव में पुतला दहन, फैसला को बताया जनविरोधी

कोण्डागांव। छत्तीसगढ़ में जमीनों की गाइडलाइन दरों में 10 से 100 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी को लेकर कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के निर्देश पर कोण्डागांव कांग्रेस भवन में प्रेसवार्ता आयोजित की गई, जिसमें कांग्रेस पदाधिकारियों ने इस निर्णय को जनविरोधी, अदूरदर्शी और आर्थिक रूप से विनाशकारी बताया। प्रेसवार्ता के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने स्थानीय बस स्टैंड में सरकार का पुतला दहन कर विरोध जताया। प्रेसवार्ता में संबोधित करते हुए कांग्रेस महामंत्री रितेश पटेल ने कहा कि भाजपा सरकार के आने के बाद भूमि की सरकारी दर 40 से 130 प्रतिशत तक बढ़ चुकी है, जो आम जनता, किसानों, मजदूरों और रियल स्टेट सेक्टर के लिए गम्भीर संकट खड़ा करेगी। उन्होंने कहा कि देश के किसी भी बड़े शहर–मुंबई, दिल्ली, हैदराबाद, पुणे–में भी एक बार में 10-15 प्रतिशत से अधिक वृद्धि नहीं की जाती, लेकिन छत्तीसगढ़ में 130 से 500 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी कर दी गई, जो पूरी तरह अव्यवहारिक है।

निर्माण रुकेगा, बेरोजगारी बढ़ेगी : कांग्रेस

कांग्रेस नेताओं ने बताया कि गाइडलाइन दर बढ़ने से मकान, दुकान, फैक्ट्री और भूमि खरीदी-बिक्री का खर्च कई गुना बढ़ जाएगा, जिससे निर्माण कार्य ठप पड़ेंगे और बेरोजगारी तेजी से बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि यह निर्णय प्रदेश की अर्थव्यवस्था को गहरे संकट में धकेल देगा, क्योंकि कृषि के बाद रियल स्टेट सबसे ज्यादा रोजगार देने वाला क्षेत्र है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि कुछ क्षेत्रों में 30 लाख की जमीन पर 22 लाख की स्टांप ड्यूटी देना पड़ेगा। कहीं 6 लाख की जमीन पर 4 लाख 40 हजार तक की रजिस्ट्री शुल्क की स्थिति बन गई है। कई स्थानों पर जमीन की कीमत और रजिस्ट्री शुल्क बराबर हो जाएंगे या शुल्क जमीन से भी अधिक हो जाएगा। ऐसे में गरीब और मध्यमवर्गीय लोग मकान कैसे बनाएंगे? कांग्रेस ने यह भी आरोप लगाया कि सरकार ने पहले 5 डिसमिल से कम भूखंड की रजिस्ट्री पर रोक लगाकर गरीबों को पहले ही मुश्किल में डाल दिया था, अब गाइडलाइन बढ़ाकर गरीब एवं किसानों के लिए जमीन खरीदना लगभग असंभव कर दिया है।

सरकार का आर्थिक प्रबंधन फेल, जनता पर बढ़ा बोझ : कांग्रेस का आरोप

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि सरकार के पास आर्थिक संसाधनों की कमी है, इसलिए बिजली सहित विभिन्न मदों में टैक्स और दरें बढ़ाई जा रही हैं। बिजली के 400 यूनिट तक की छूट समाप्त करना और अब जमीनों की रजिस्ट्री महंगी करना इसी आर्थिक संकट का संकेत है। कांग्रेस ने भाजपा सरकार के निर्णय को पूरी तरह वापस लेने की मांग की है। कहा कि यदि गाइडलाइन की दरें कम नहीं की गईं, तो रियल स्टेट सेक्टर धराशायी हो जाएगा, रोजगार खत्म होंगे और आर्थिक मंदी गहराएगी। कांग्रेस ने चेतावनी दी कि वह जनता के हित में इस फैसले के खिलाफ व्यापक आंदोलन करेगी।

जमीन खरीदी बिक्री की नई गाइडलाइन का कांग्रेस ने किया विरोध

नारायणपुर। भाजपा सरकार ने चुप चाप तरीके से ज़मीन की नई गाइडलाइन लागु करने से फैक्ट्री, मकान, दुकान, ज़मीन, का दर 40 प्रतिशत से 400 प्रतिशत बढ़ोतरी होगी।भाजपा सरकार में ज़मीन की नई गाइडलाइन से ज़मीन की खरीदी बिक्री कम हो जाएगी और बेरोजगार बढ़ेगी। कांग्रेस पार्टी इस गाइडलाइन का पुरजोर विरोध करती है इस गाइडलाइन के विरोध मे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का पुतला दहन किया गया। नारायणपुर जिला कांग्रेस कमेटी भाजपा सरकार की ऐसी गाइडलाइन का पुरजोर विरोध करती है। दूसरे राज्यों के महानगरो मे भी जमीन की ऐसी गाइडलाइन लागु नहीं है। बड़े बड़े महानगरो मे 10-15 प्रतिशत से ज्यादा दर नहीं है। छत्तीसगढ़ प्रदेश की तात्कालीन कांग्रेस सरकार ने ज़मीन गाइडलाइन मे 30 प्रतिशत तक छूट प्रदान किया था और पांच डिसमिल से कम की रजिस्ट्री चालू करवाया था। नई गाइडलाइन लागू होने से अगर किसी गरीब आदमी के पास 1000-2000 वर्ग फुट ज़मीन है तो वह कभी बेच नहीं सकता और कुछ ज़मीन को बेच कर अपना पक्का मकान नहीं बना पायेगा। जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजेश दीवान ने कहा की डबल इंजन की भाजपा सरकार के पास योजनाओं को चलाने के लिए पैसा नहीं है, इसलिए भाजपा सरकार ने पहले 400 यूनिट तक मुफ्त बिजली योजना को बंद किया, और अब ज़मीन की नई गाइडलाइन से आम जनता को परेशान करना का काम शुरू कर रही है। वही ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष रवि देवांगन ने कहा की भाजपा सरकार की नई गाइडलाइन के तहत अगर शहरो के आसपास 1000 वर्ग फुट ज़मीन 6 लाख की कीमत मे रज़िस्ट्री होता है तो इसका रजिस्ट्री शुल्क 4 लाख 40 हजार रूपए होगा ऐसे मे रज़िस्ट्री शुल्क ज़मीन दर के बराबर होगा ऐसी गाइड लाइन का कॉंग्रेस पार्टी विरोध करती है। पुतला दहन कार्यक्रम मे शहर कांग्रेस अध्यक्ष रघु मानिकपुरी, जिला कांग्रेस सचिव संजय राय, ब्लॉक उपाध्यक्ष शब्बीर बढ़गुजर, माधेश्वर जैन, चैन सिंह भोयर, पिलसाय सलाम, दीपक गाँधी, कुणाल उड़के, तरुण देहारी सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कुआकोंडा में जनजातीय समाज का गौरवशाली अतीत पर कार्यशाला आयोजित

दंतेवाड़ा। शहीद कवासी रोहड़ा पेद्दा शासकीय महाविद्यालय कुआकोंडा में जनजातीय समाज का गौरवशाली अतीत ऐतिहासिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक योगदान विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला एवं परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जनजातीय समाज की ऐतिहासिक विरासत, सामाजिक योगदान एवं आध्यात्मिक परंपराओं को समझना तथा विद्यार्थियों में जागरूकता उत्पन्न करना था। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता महेन्द्र नायक (सामाजिक कार्यकर्ता एवं शिक्षाविद) ने जनजातीय समाज के संघर्ष, संस्कृति एवं योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि सोमडू कोर्राम (अध्यक्ष, जनभागीदारी समिति) ने जनजातीय विकास की योजनाओं की जानकारी दी। मुख्य अतिथि सुकालू राम मुढामी (अध्यक्ष, जनपद पंचायत कुआकोण्डा) ने जनजातीय नेतृत्व की भूमिका पर विचार साझा किए।कार्यक्रम की संरक्षकता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर. के. हिरकने ने की।संयोजक प्रतीक कारटे (सहायक प्राध्यापक, अर्थशास्त्र) एवं सह संयोजक भीमपाल रंगारी (सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य) ने आयोजन की रूपरेखा तैयार की। आयोजन समिति में गजेन्द्र कुमार सोनकुंवर (गणित), डॉ. तुषार कांते (राजनीति शास्त्र), चेतन लाल (प्रयोगशाला तकनीशियन), देवचरण निराला (अतिथि व्याख्याता), झनक लाल तारम (अतिथि ग्रंथपाल), तपस्या कोल, गीताजंली साहू, मीनाक्षी रंगारी, गौतम भदौरिया, जयेश लारिया, खिलेश्वर कोसमा एवं संतोष साहू ने सक्रिय योगदान दिया।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण एवं छात्र-छात्राओं की सहभागिता रही। यह आयोजन महाविद्यालय की सामाजिक चेतना एवं जनजातीय विषयों पर अकादमिक दृष्टिकोण को सुदृढ़ करने की दिशा में एक सराहनीय पहल सिद्ध हुआ।

कांग्रेस प्रदेश महासचिव रवि घोष को बनाया गया कोण्डागांव जिला कांग्रेस अध्यक्ष

कोण्डागांव। जिले में कांग्रेस संगठन को नई दिशा और ऊर्जा देने की जिम्मेदारी अब रवि घोष को सौंपी गई है। कांग्रेस प्रदेश महासचिव रवि घोष का हुआ डिमोशन, बनाए गए कोण्डागांव जिला कांग्रेस अध्यक्ष, पहले भी दो बार रह चुके है जिलाध्यक्ष, तीसरे बार बनाए गए हैं डिमोशन के सवाल पर रवि घोष ने कहा : कोण्डागांव जिला कांग्रेस अध्यक्ष, रवि घोष ने कहा जहां आवश्यकता थी वहां मुझे दिया गया दायित्व, कांग्रेस के केंद्रीय सर्वे दल के इंटर्नल रिपोर्ट पर दिया गया जिम्मेदारी। घोष ने यह भी बताया कि सभी कार्यकर्ताओं को साथ लेकर टीम भावना से काम करना उनकी प्राथमिकता होगी। वे जल्द ही जिले के अलग-अलग ब्लॉकों और मंडलों का दौरा कर संगठनात्मक ढांचा मजबूत करने की शुरुआत करेंगे। अपनी नियुक्ति के बाद रवि घोष ने कहा कि संगठन ने जिस भरोसे और उम्मीद के साथ उन्हें जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी है, उसे वे पूरी निष्ठा और मेहनत के साथ निभाएंगे। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास कांग्रेस की विचारधारा और नीति को हर बूथ, हर गांव तक पहुंचाते हुए संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत बनाना होगा।

पीएम मोदी की 'मन की बात' में युवा शक्ति, कृषि क्रांति और सांस्कृतिक धरोहर का उद्घोष

भानुप्रतापपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 128वें एपिसोड में देश की उपलब्धियों को रेखांकित किया। उन्होंने कृषि क्षेत्र में बने नए कीर्तिमानों, युवाओं की वैज्ञानिक दृढ़ता, और वैश्विक मंच पर भारत की सांस्कृतिक पहचान को प्रमुखता से उल्लेखित किया। प्रधानमंत्री ने कृषि क्षेत्र में देश की असाधारण प्रगति की सराहना करते हुए बताया कि भारत ने 357 मिलियन टन खाद्यान्न उत्पादन का नया ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने कहा कि दस वर्ष पहले की तुलना में खाद्यान्न उत्पादन में 100 मिलियन टन की वृद्धि हुई है, जो देश के किसानों की अथक मेहनत का स्पष्ट प्रमाण है। 'मन की बात' का एक विशेष आकर्षण इसरो की अनोखी ड्रोन प्रतियोगिता का ज़िक्र रहा, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। पीएम मोदी ने बताया कि देश के युवा, जिन्हें Gen-Z कहा जाता है, मंगल ग्रह की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का अनुकरण करते हुए ड्रोन उड़ा रहे थे। इस प्रतियोगिता में पुणे के युवाओं की टीम की सफलता की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी यह दृढ़ता उन्हें चंद्रयान-2 की असफलता के बाद चंद्रयान-3 की तैयारी करने वाले वैज्ञानिकों की याद दिलाती है।

नवंबर की प्रेरणादायक घटनाए - वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने पर कार्यक्रमों की शुरुआत, अयोध्या में राम मंदिर पर धर्मध्वजा आरोहण, कुरुक्षेत्र के ज्योतिसर में पांचजन्य स्मारक का लोकार्पण, जी-20 में भारतीय कला-संस्कृति की वैश्विक पहचान, जी-20 सम्मेलन का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने विभिन्न राष्ट्राध्यक्षों को भेंट किए गए भारतीय सांस्कृतिक धरोहर से जुड़े उपहारों का ज़िक्र किया, जिससे भारतीय कला और संस्कृति को वैश्विक पहचान मिली। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति कोः चोल कालीन नटराज प्रतिमा। कनाडा के प्रधानमंत्री कोः उदयपुर की चांदी के अश्व की प्रतिकृति। जापान की प्रधानमंत्री कोः तेलंगाना की प्रसिद्ध बुद्ध प्रतिमा। संस्कृति और प्राकृतिक खेती के केंद्र कुरुक्षेत्र में महाभारत अनुभव केंद्र की प्रशंसा की गई, जहाँ 3D और डिजिटल तकनीकों से महाभारत की कथा को जीवंत किया जा रहा है। कोयंबटूर में नेचर फार्मिंग सम्मेलन के प्रयासों की सराहना की गई, जहाँ उच्च शिक्षित युवा प्राकृतिक खेती को अपनाकर कृषि में नई दिशा दे रहे हैं।

भानुप्रतापपुर में 'मन की

आवारा कुत्तों को एंटी-रेबीज वैक्सीन लगाने की कार्रवाई शुरू

कोण्डागांव। कोण्डागांव नगर पालिका क्षेत्र में आवारा कुत्तों को एंटी-रेबीज वैक्सीनेशन के लिए अभियान शुरू किया गया है। अभियान के तहत नगर पालिका और पशु चिकित्सा विभाग की संयुक्त टीम द्वारा शहर के विभिन्न वार्डों में आवारा कुत्तों को सुरक्षित तरीके से पकड़कर एंटी-रेबीज वैक्सीन लगाया जा रहा है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी दिनेश डे ने बताया कि यह अभियान नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा पशु-जनित संक्रमणों की रोकथाम के उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है। 07 लोगों की टीम बनाकर, पहले दिन 22 आवारा कुत्तों को एंटी रेबीज लगाया गया है। यह अभियान अभी लगातार जारी रहेगी।

बोर्ड कक्षाओं के वार्षिक परीक्षा के लिए अतिरिक्त कक्षाएं आयोजन

कोण्डागांव। विगत दिवस संयुक्त संचालक शिक्षा विभाग जगदलपुर के जिला कोण्डागांव माकड़ी दौरा उपरांत कार्यालय जिलाधीश कोण्डागांव सभागार में मैराथन मंथन बैठक में प्राप्त निर्देशों के परिपालन में बोर्ड कक्षाओं के परीक्षाओं में विद्यार्थियों की उच्चतम सफलताओं हेतू पूर्व तैयारीयां सन्दर्भ में विषय विशेषज्ञों से अतिरिक्त कक्षाओं के आयोजन महत्वपूर्ण हैं। को सारगर्भित करते हुए सुदूर ग्रामीण अंचलों के विद्यार्थियों को लाभान्वित करने के उददेश्य से प्राचार्य स्वामी आत्मानंद शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अंग्रेजी माध्यम शामपुर तथा स्वामी आत्मानंद शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हिंदी माध्यम शामपुर के अनूप विश्वास के प्रयासों से हितेंद्र कुमार श्रीवास प्रधान अध्यापक शासकीय प्राथमिक शाला खुटपारा सोनाबाल संकुल सोनाबाल ने अंग्रेजी भाषा विषयगर्भित विशिष्ट शिक्षण जिसमें मोटिवेशनल स्पीच के साथ भाषा आधारित मौलिक दक्षताओं का शिक्षण बैगलेस डे शनिवार के अवसर पर अतिरिक्त कक्षाएं के माध्यम से विद्यार्थियों को पढ़ाया।

संपादकीय

भारत की कठिनाइयां बढ़ीं

शेख हसीना के खिलाफ ट्रिब्यूनल के फैसले से बांग्लादेश में सियासी मेलमिलाप की संभावना और घट गई है। दूसरी तरफ इससे भारत की कठिनाइयां बढ़ी हैँ। देश छोड़ने के बाद से हसीना और तत्कालीन गृह मंत्री भारत में रह रहे हैं। जब किसी देश में सत्ता तंत्र में आमूल बदलाव आ जाता है, तो पूर्व शासन से संबंधित अधिकारियों के खिलाफ हुई कार्रवाई या उन पर चले मुकदमों की निष्पक्षता हमेशा संदिग्ध रहती है। ऐसे मामलों में अक्सर बदले की भावना से कार्रवाई होती है, जिसमें अभियुक्तों को अपना बचाव करने के पर्याप्त अवसर नहीं मिलते। बांग्लादेश में जो हुआ, वह भी इस सामान्य चलन से अलग नहीं है। बांग्लादेश के कथित इंटरनेशनल क्राइम ट्रिब्यूनल ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को मानवता के खिलाफ अपराध का दोषी माना है और उन्हें सजा-ए-मौत सुना दी है। यही दंड हसीना सरकार में गृह मंत्री रहे असदुजम्मां खान कमाल को भी सुनाया गया है। ट्रिब्यूनल ने हसीना को उन कथित अपराधों के लिए दोषी पाया, जो पिछले साल सरकार विरोधी प्रदर्शन के दौरान हुए थे। इन प्रदर्शनों में करीब 1,400 लोगों की मौत हुई। ट्रिब्यूनल के ताजा फैसले से बांग्लादेश में सियासी मेलमिलाप की संभावना और घट गई है। दूसरी तरफ इससे भारत की कठिनाइयां बढ़ी हैँ। अगस्त 2024 में देश छोड़ने के बाद से हसीना और कमाल दोनों भारत में रह रहे हैं। अब चूंकि वे दोनों सजायाफ्ता मुजरिम हैं, इसलिए उन्हें पनाह दिए रहना भारत के लिए अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया है। दोनों देशों के बीच प्रत्यर्पण संधि है। बांग्लादेश ने इसके तहत शेख हसीना और कमाल को वापस भेजने की मांग रख दी है। इसे नजरअंदाज करना आसान नहीं होगा, क्योंकि उस स्थिति में बांग्लादेश संधियों एवं अंतरराष्ट्रीय कानून के प्रति भारत की वचनबद्धता पर सवाल खड़े करेगा। लेकिन दोनों को सजा-ए-मौत देने के लिए बांग्लादेश भेजने से अपने लिए अनुकूल रहे नेताओं को संरक्षण देने में भारत की विफलता का संदेश जाएगा। स्पष्टत: यह एक मुश्किल चुनौती है, जिसमें वर्तमान सरकार के कूटनीति कौशल का इम्तहान होगा। पिछले साल सत्ता परिवर्तन के बाद से बांग्लादेश के रुख से भारत के लिए अन्य मुश्किलें भी बढ़ी हैं। खासकर पाकिस्तान के साथ उसकी बढ़ी निकटता से भारत के सामने सुरक्षा एवं विदेश नीति संबंधी नई चुनौतियां दरपेश आई हैँ। अब प्रत्यर्पण संधि के पालन का सवाल इसमें एक नया पेंच बन कर जुड़ गया है।

भाजपा के सामने विपक्ष एक पॉप-अप दुकान

श्रुति व्यास

कितना हैरानी भरा है यह! आप चाहें तो सिर पकड़ लें, मन टूटता महसूस करें, चिंता में घुल जाएँ, पर सच दो टूक, अडिग खड़ा है। फिर साबित हुआ है कि लोकसभा चुनाव में झटके के बाद राज्यों में भाजपा का लगातार जीतते जाना केवल संगठन की वजह से नहीं बल्कि प्रबंधकीय कौशल से है। और इसके लिए भाजपा को नहीं बल्कि नरेंद्र मोदी व अमित शाह को ही श्रेय देना होगा। यह जोड़ी अबाध है। महाराष्ट्र, हरियाणा, दिल्ली और अब बिहार—हर जगह ऐसी सहजता के साथ विजय पाई है कि विपक्ष फिलहाल को प्रासंगिकता के लिए भी हांफता हुआ है।

विधानसभाओं में विपक्ष अब किसी भूत-सा दिखाई देता है। उपस्थिति केसिर्फ नाम, सिद्धांत में जबकि प्रभाव में लगभग अनुपस्थित। भाजपा की रणनीति इतनी सूक्ष्म, इतनी परतदार, कि आलोचना भी निरर्थक है, भीतर की ओर धंसती हुई है।

कल सुबह मुझे एक फोन आया। गहरी झुँझलाहट से भरी आवाज़ में लगभग कराहते पूछा - विपक्ष ने बिहार चुनाव का बहिष्कार ही क्यों नहीं कर दिया? आखिर तूफ़ान में बिना आसरा, बिना रणनीति और बिना कथा उतरने का मतलब क्या था?

यह कटु व चौंकाने वाली सोच है। पर ऐसे ख्याल, ऐसी भावना फैल रही है। अब विमर्श यह नहीं पूछ रहा कि भाजपा इतनी निर्णायक जीत कैसे हासिल कर रही है? प्रश्न अब कहीं अधिक ठंडा, अधिक चुभता हुआ है, विपक्ष क्यों हैरान कर देने वाली अयोग्यता बार-बार दोहरा रहा है? जो सवाल कल तक भाजपा की चुनावी मशीनरी पर होते थे, आज विपक्ष की मूर्खताओं पर पूछे जा रहे हैं, यह कि आने वाला तूफान दिखा क्यों नहीं?

यही वह मोड़ है जहाँ देश का मनोभाव लड़खड़ाने लगा है। यह केवल भय नहीं। यह पूरी निराशा भी नहीं। यह कुछ और गहरा है: ऐसा अहसास कि मुकाबला टॉस से पहले ही खत्म हो चुका है। कि संस्थाएँ टिक नहीं पाएँगी, नागरिक थक कर समायोजित हो जाएँगे। कि आक्रोश छह घंटे ट्रेंड करेगा और रात के खाने से पहले गायब हो जाएगा। क्योंकि भाजपा, चाहे आप उसकी प्रशंसा करें या आलोचना, वर्चस्वता को स्वाभाविक दिखाने की कला में निपुण हो चुकी है। दुख की बात यह है कि विपक्ष ने प्रयास करना ही लगभग बंद कर दिया है।

ध्यान रहें: यह केवल संख्या का खेल नहीं। यह विचारधाराओं का टकराव भी नहीं। यह सत्ता की भौतिकी है, जिसे भाजपा अस्थि-मज्जा तक समझती है। वे चुनाव लड़ते नहीं, इंजीनियर करती हैं। वे मौसमों की नहीं, युगों की तैयारी में लगे हैं। और तब यह गहरा सवाल सामने आता है—जब जीत ही लोकतंत्र की अकेली भाषा बन जाए, और विपक्ष बोलना ही भूल जाए, तब लोकतंत्र का क्या बचता है?

पिछले ग्यारह वर्षों में विपक्ष समझ ही नहीं पाया कि मोदी और शाह चुनावों से रचे-बसे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के लिए चुनाव दृश्यांकन हैं—नारे, मंच, और वह अभेद्य कवच जो जीत उन्हें पहनाती है। शाह के लिए चुनाव प्रदर्शन नहीं, वास्तुकला हैं, नापतौल, गणित, ठंडा, तेज, अडिग। यदि मोदी मिथक हैं, तो शाह गणना हैं। वहीं विपक्ष चुनाव ऐसे लड़ता है जैसे मौसम हों, आते-जाते, अस्थायी। भाजपा की 24×7 राजनीतिक मशीनरी के सामने विपक्ष एक पॉप-अप दुकान है।

बिहार को ही देख लें। तेजस्वी यादव ने 2024 लोकसभा में खूब शोर मचाया। जिलों में दौरे, मुसलमान-यादव आधार को सक्रिय करने की कोशिश, और कुछ हद तक एक युवा, तेजतर्रार विपक्षी चेहरे की झलक। पर नतीजे सामने आते ही और वोट-टू-सीट रूपांतरण होते ही गति थम गई। तेजस्वी भी। बाद के महीनों में वे कम दिखाई दिए। राजनीति सड़कों से हटकर उनकी सक्रियता पारिवारिक खटास, भाइयों के झगड़े और संगठनात्मक ढिलाई में बदल गई। वे न युवा बिहार के प्रतीक बने, न ही नीतीश कुमार का विकल्प। और जब 2025 विधानसभा चुनाव के ठीक पहले वे अवतरित हुए—राघोपुर, सभाएँ, भाषण, वादे—तब तक बहुत देर हो चुकी थी। लापरवाही जमीन पर गुल खिला चुकी थी। भाजपा गठबंधन पहले ही जमीन कस चुका था।

यही विपक्ष का गहरा संकट है—वे भाजपा से अधिक विपक्ष अपने भीतर नाटक रचता हैं। मोदी के तमाशे का प्रतिपक्ष गढ़ने के बजाय वे खुद अपना तमाशा बन जाते हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस आत्मस्वीकारोक्ति बन जाती हैं, अहंकार विचारधारा से ऊँची आवाज़ में टकराता है, और कथा का एकमात्र सूत्र बचता है—ढहना, फ्लॉप होना। वे सरकार का उतना विरोध नहीं करते, जितना एक-दूसरे का। यह वक्त कहानी माँगता है जबकि वे कोरियोग्राफी देते हैं। भाजपा जहाँ सत्ता का प्रदर्शन करती है, विपक्ष विघटन और खींचतान का।

बस्तर में हो रहा है सुनहरा सवेरा...

नंदन जैन

जब किसी भी समस्या के समाधान के प्रति नेतृत्व की इच्छा शक्ति सच्चे अर्थों में सक्रिय होती है, तो बड़ी से बड़ी चुनौती भी घुटने टेक देती है। नक्सलवाद के संदर्भ में जो परिणाम आज देश देख रहा है, वह केन्द्र और राज्य सरकारों के संकल्पित प्रयासों का ही फल है। जो बस्तर कभी लाल आतंक का प्रमुख गढ़ माना जाता था, वहां अब स्थायी शांति अपना आधार मज़बूत कर रही है।

हिंसा का खेल खेलने वाले नक्सली चौतरफा सरकारी प्रयासों के चलते या तो आत्मसमर्पण कर रहे हैं या कार्रवाई में ढेर हो रहे हैं। दूसरी ओर, जिन अंदरूनी इलाकों तक दशकों तक विकास की रोशनी नहीं पहुंच सकी थी, वहां आज सड़क, बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएं वास्तविक रूप ले रही हैं। पिछली उदासीन सरकारों और स्वार्थी माओवादियों ने जिन आदिवासियों को छला और लोकतंत्र से दूर रखा, वही समुदाय आज विकास की मुख्यधारा में जुड़ रहा है।

भले ही नक्सलवाद अब अंतिम सांसें ले रहा हो, लेकिन इसके दशकों पुराने घाव बेहद गहरे हैं। सैकड़ों जवानों और निर्दोष नागरिकों की हत्या, विकास से पूरी पीढ़ियों को वंचित रखना और भय का वातावरण ये सब नक्सलवाद की भयावह विरासत रही है। 2000 के दशक की शुरुआत में इसकी ताकत चरम पर थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने इसे देश की 卐सबसे बड़ी आंतरिक सुरक्षा चुनौती卐 बताया, लेकिन राजनीतिक मजबूरियों और संकल्प के अभाव में कांग्रेस सरकारें इस खतरे पर निर्णायक प्रहार नहीं कर सकीं।

उस दौर में बस्तर से लेकर राजनांदगांव, गरियाबंद और कवर्धा तक आतंक की जड़ें फैल चुकी थीं। नक्सलियों का लक्ष्य दंतेवाड़ा से दिल्ली तक लाल झंडा फहराने का था, जिसे अर्बन नक्सल नेटवर्क से भी समर्थन मिलता था। लेकिन तत्कालीन सरकारों ने इस गंभीर खतरे को नज़रअंदाज़ कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप लगभग 200 जिले माओवादी आतंक की चपेट में आ गए और विकास बुरी तरह प्रभावित हुआ।

इसके विपरीत, आज मोदी सरकार 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। सरकार ने स्पष्ट रूप से समझा कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों को उनके हाल पर छोड़कर देश पूर्ण विकास प्राप्त नहीं कर सकता। मजबूत इच्छा शक्ति और कठोर कार्रवाई के परिणाम आज सामने हैं। आज बस्तर ही नहीं पूरा दंडाकारण्य क्षेत्र विकास का नया अध्याय लिखने को आतुर है। यह क्षेत्र भगवान राम के वनवास काल से जुड़ा है, बस्तर में रामपाल गांव, रामाराम मंदिर (सुकमा), राकसहाड़ा और कांगेर घाटी नेशनल पार्क भी भगवान राम से संबंधित हैं। नक्सलवाद के खग्रास ग्रहण से अब बस्तर मुक्त हो रहा है। अब एक बार फिर यहां भगवान राम का गौरव स्थापित हो रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी एवं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी के मार्गदर्शन में विष्णुदेव साय सरकार यहां राम राज्य स्थापित के लिए संकल्पित है। यही फर्क है एक तरफ इच्छा शक्ति वाली सरकार और दूसरी तरफ उदासीन शासन की नाकामी।

लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश का विपक्ष भी इस सफलता को नकारात्मक चश्मे से देखने में लगा है। कुछ नेता यह भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे हैं कि बस्तर में उद्योगपतियों के लिए जमीन तैयार करने हेतु नक्सलवाद का सफाया किया जा रहा है। इससे भी अधिक खतरनाक यह है कि कुछ राजनीतिक बयानबाजी नक्सलियों को आदिवासियों का संरक्षक और जंगलों का रक्षक बताने लगती है। यह सीधे-सीधे एक क्रूर, हिंसक विचारधारा को जीवित रखने की कोशिश है जो भविष्य के लिए बेहद खतरनाक संकेत है।

हिड़मा के बहाने हिंसा का पोषण- हाल ही में मुठभेड़ में मारे गए दुर्दांत नक्सली कमांडर हिड़मा को लेकर कुछ लोग उसके हमदर्द के रूप में सामने आए हैं। कुछ तो उसे बस्तर का रक्षक तक बताने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन इस राजनीतिक चाल से सावधान रहने की आवश्यकता है। हिड़मा कोई निर्दोष व्यक्ति नहीं था; उसके हाथ सैकड़ों लोगों के खून से सने हुए थे। ऐसे हिंसक व्यक्ति को आदर्श या प्रतीक के रूप में प्रस्तुत करना, उसे महिमामंडित करना—नक्सलवाद को पोषित करने जैसा ही है। यह दुर्दांत हत्यारा बस्तर का आदर्श कैसे हो सकता है?

हद तो तब होती है जब दिग्विजय सिंह जैसे बड़े कांग्रेसी नेता हिड़मा को लेकर सरकार पर सवाल खड़े करते हैं। जिनके मुख्यमंत्री रहते हुए अविभाजित मध्यप्रदेश में बस्तर को 卐कालापानी की सजा卐 कहा जाता था, उस दौरान ही नक्सलियों ने यहां अपनी जड़ें मजबूत कीं। दिग्विजय सिंह के शासनकाल में ही वर्ष 1995 में हिड़मा सहित कई युवा सरकारी उपेक्षा के कारण लाल आतंक की राह पर चल पड़े थे ।

हमारा स्पष्ट मानना है कि भगवान बिरसा मुंडा, महान योद्धा गुंडाधुर, परलकोट के राजा गेंद सिंह और शहीद वीर नारायण सिंह ही आदिवासी समाज के वास्तविक आदर्श हैं। आदिवासी समाज हिड़मा या बसव राजू जैसे हिंसक व्यक्तियों को अपना हीरो नहीं मान सकता, क्योंकि उसकी परंपरा सदियों से इन्हीं महान नायकों को पूजती आ रही है।

भविष्य के लिए घातक है ये गैरजिम्मेदाराना सियासत- यदि बस्तर में नक्सलवाद के उभार के मूल कारणों को याद करें तो सबसे प्रमुख कारण था आदिवासियों का प्रशासनिक तंत्र द्वारा शोषण और लगातार उपेक्षा। तब की कांग्रेस सरकारें न केवल बस्तर बल्कि देश के तमाम आदिवासी क्षेत्रों के प्रति उदासीन थीं। इसी खालीपन का फायदा उठाकर आंध्रप्रदेश से आए माओवादी यहां जड़ें जमाने में सफल हुए।

तत्कालीन कांग्रेस सरकार की शह पर 25 मार्च 1966 को बस्तर महराज प्रवीरचंद भंजदेव की हत्या हो या पुलिस अत्याचार इन घटनाओं ने सरकार और आदिवासियों के बीच अविश्वास की गहरी खाई बना दी। इसी खाई में माओवादियों ने अपनी जड़ें गहरी कीं और दशकों तक समानांतर शासन चलाते रहे। गौरतलब है कि प्रवीरचंद भंजदेव बस्तर में आदिवासियों में बेहद लोकप्रिय थे, वे सरदार वल्लभभाई पटेल के समक्ष विलय पत्र पर हस्ताक्षर करने वाले पहले राजाओं में से एक थे, इसके चलते पटेल के साथ उनके करीबी संबंध बन गए थे। भजदेव ने कुछ और रियासतों को भी विलय कराने में मदद की थी, इसलिए भी कांग्रेस में एक बड़े खेमे को वे चुभने लगे थे। पटेल के नहीं रहने के बाद उनके योगदान को कमतर करने की कोशिश आजादी के बाद कांग्रेस सरकारों द्वारा हुई ये किसी से छुपी नहीं है। भंजदेव का कांग्रेस नेतृत्व के साथ मतभेद का परिणाम था कि उन्होंने विधायक पद से इस्तीफा दिया था और पार्टी छोड़ दी थी इसके बाद कांग्रेस के साथ उनका मतभेद बढ़ता चला गया, आखिरकार पुलिस ने बेरहमी से गोलियां बरसाते हुए दरबार हाल के पास ही इस महानायक की हत्या कर दी गई । यह ऐतिहासिक भूल कांग्रेस आज भी दोहरा रही है नक्सलवाद के सफाए को लेकर भ्रम फैलाकर।

इसलिए आज आवश्यकता है कि इस नए 卐भ्रमवाद卐 से सावधान रहा जाए। नक्सलवाद के सफाए के इस निर्णायक चरण में देश को एकजुट होकर खड़ा होना चाहिए, न कि झूठे भ्रम और राजनीतिक चश्मे से इस राष्ट्रीय उपलब्धि को कमजोर करने का प्रयास करना चाहिए।

कब खुल कर सांस ले सकेंगे हम ?

कभी सुबह की हवा इतना हल्का स्पर्श देती थी कि सिर्फ एक लंबी सांस ही पूरे दिन की खुशी के लिए काफी होती थी। लेकिन आज वही हवा खिडक़ी तक आते-आते डर पैदा करती है, कि पता नहीं इसमें ताजगी होगी या जहर। कबीर दास का दोहा 'ज्यों की त्यों धरि दीन्ही चदरिया' अचानक इतना सच क्यों लगने लगा है? शायद इसलिए कि हमने ही इस हवा की चादर पर धुआं, धूल और लापरवाही के दाग लगाए हैं। अब सवाल हवा से नहीं, हमसे है : कब खुल के सांस ले सकेंगे हम? हर साल 2 दिसंबर को जब देश राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस मनाता है, तो 1984 की भोपाल गैस त्रासदी की छाया फिर ताजा हो जाती है। वह घटना सिर्फ इतिहास नहीं, चेतावनी है, कि पर्यावरण से की गई भूलें सिर्फ पेड़ों को नहीं, पूरी पीढियों को प्रभावित करती हैं। 2 दिसंबर हर साल आकर धीरे से कहता है : हवा को हल्के में मत लो, यह जीवन का पहला वाक्य है। दिल्ली इस सर्दी में फिर सांस रोक देने वाले मौसम से गुजरी। कई दिनों तक एक्यूआई 350-450 पर रुका रहा। डब्ल्यूएचओ की सीमा से 15-20 गुना ज्यादा पीएम 2.5 दर्ज हुआ। दिल्ली की हवा एक जटिल मिश्रण है, निर्माण स्थलों की महीन धूल, लाखों वाहनों की थकान, पुराने इंजन, खुले में जलता घरेलू कचरा, घनी इमारतों में फंसा प्रदूषण और ठंड में जमीन के पास थम जाने वाली हवा। परिणाम यह कि दिल्ली का सूरज भी शहर की धुंध में धुंधला हो जाता है।

बच्चों की खेलने की जमीनें बंद कमरों में सिमट जाती हैं, बुजुर्गों की सुबह की सैर मोबाइल की स्क्रीन पर एक्यूआई देखकर रद्द हो जाती है, और खिड़कियां हवा के डर से बंद रहती हैं। यह सिर्फ एक शहर नहीं, एक सवाल है- हवा आखिर हमारा दुश्मन कब बनी। इसी सवाल के बीच हिमाचल की हवा एक मरहम जैसी लगती है। कांगड़ा और कुल्लू की ढलानों पर लोग आज भी कहते हैं- 'हवा साफ होवे तां मन वी राजी होवे।' धर्मशाला की हवा अक्सर 35-60 एक्यूआई पर रहती है, तीर्थन घाटी 30-50, चांसल वैली 20-40। वहां सांस लेते ही महसूस होता है कि फेफड़े सिर्फ ऑक्सीजन से नहीं, शांति से भी भरते हैं। त्रिउंड, हमटा पास और बृघु लेक जैसे ट्रैक्स पर हवा का हर झोंका किसी दुआ की तरह लगता है- हल्का, ठंडा, जीवंत। हिमाचल की झीलें भी हवा की तरह साफ हैं- करेरी का पारदर्शी पानी, पराशर की रहस्यमयी शांति, चंद्रताल का आसमानी नीला फैलाव और चंबा की लामडल झील की ठंडी नमी। ये झीलें सिर्फ पर्यटन स्थल नहीं, यह प्रकृति के दर्पण हैं- दिखाती हैं कि दुनिया कितनी निर्मल हो सकती है अगर इनसान उसे बिगाडऩे न निकले। चंबा घाटी तो अपने आप में एक कविता है- पुराने मंदिरों की घंटियां, देवदार की खुशबू, रावी नदी की ठंडी हवा, और पहाड़ी इतिहास के बीच चलती शांत जिंदगी। इस घाटी में सांस लेना ऐसा लगता है जैसे सदियों पुरानी विरासत फेफड़ों में उतर रही हो। हिमाचल का 66 फीसदी हिस्सा जंगलों से ढका है। राज्य में भारी उद्योग नहीं हैं। रोशनी जल-विद्युत से आती है। 2009 से सिंगल-यूज प्लास्टिक पर कठोर प्रतिबंध है। कचरा जलाना कानूनी अपराध है। ढलानों पर अनियंत्रित निर्माण को रोका जाता है। इसी कारण तीर्थन, सिरमौर, कुल्लू, चंबा सब जगह हवा अब भी 'जिंदा' है। और अब हिमाचल का विकास भी पर्यावरण के साथ कदम मिला कर चल रहा है। लुंज प्रोजेक्ट हरे मॉडल पर आधारित है- कम प्रदूषण, ज्यादा हरियाली। धर्मशाला स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट हवा के हिसाब से डिजाइन किया जा रहा है- सौर ऊर्जा, बेहतर सडक़ें, ढलानों की सुरक्षा और स्वच्छ शहरी व्यवस्था। वाकनाघाट का साइबर सिटी प्रोजेक्ट शायद देश का पहला ऐसा टेक-हब होगा जहां उद्योग होंगे, पर धुआं नहीं। काम होगा, पर प्रदूषण नहीं, और हवा के लिए जगह भी होगी। हिमाचल में अब इकोटूरिज्म भी बढ़ रहा है- ऐसा पर्यटन जिसमें प्रकृति पर भार नहीं डाला जाता। तीर्थन की होमस्टे संस्कृति, चंसल और पांगी की शांत घाटियां, पुरानी पहाड़ी रीतियों वाले गांव, और जंगलों में सीमित ट्रैक्स- ये सब पहाड़ों को संरक्षित रखते हैं और रोजगार भी देते हैं। यह वह मॉडल है जिसमें पर्यटक प्रकृति से सिर्फ तस्वीरें नहीं, आदतें भी सीखकर लौटते हैं। लेकिन असली जवाब पेड़ों में छिपा है। पेड़ सिर्फ हरियाली नहीं, हवा का भविष्य हैं। हिमाचल में हर साल लाखों पौधे लगाए जाते हैं, गांव अपने सामुदायिक जंगलों को परिवार की तरह संभालते हैं। कांगड़ा के बुजुर्ग कहते हैं- 'जिथे बूटे होण, ओथे रुह नू ठंडक पैंदी ऐ।' हवा और आत्मा दोनों को ठंडक पेड़ों से मिलती है।

नीतीश के सामने सबसे बड़ी चुनौती राजस्व

अजीत द्विवेदी

क्रिकेट के खेल की तरह राजनीति को भी अनिश्चितताओं का खेल माना जाता है। लेकिन नीतीश कुमार ने इसको भी इतनी प्रेडिक्टेबल बना दिया है कि जिसको राजनीति की ज्यादा समझ नहीं होती है वह भी कहता है कि बिहार के मुख्यमंत्री तो नीतीश कुमार ही बनेंगे। इसके बाद मजाकिया अंदाज में यह भी कहा जाता है कि चाहे जिसके साथ बनाएं लेकिन सरकार नीतीश ही बनाएंगे। हालांकि अब आगे शायद ऐसा नहीं हो पाए क्योंकि विधानसभा में संख्या का हिसाब इस बार कुछ अलग है।

बहरहाल, चुनाव नतीजों में एनडीए के जीते विधायकों की बड़ी संख्या को छोड़ दें तो कुछ भी चौंकाने वाला नहीं है। चुनाव नतीजे और सरकार का गठन वैसे ही हुआ है, जिसकी उम्मीद की जा रही थी। चूंकि यह लगातार पांचवीं बार नीतीश कुमार की निरंतरता के लिए दिया गया जनादेश है इसलिए नई सरकार को कोई हनीमून पीरियड भी नहीं दिया जा सकता है। इसका अर्थ है कि पहले दिन से सरकार को अपने किए गए वादों को पूरा करने के लिए काम करना होगा और पहले दिन से हिसाब मांगा जाएगा।

ध्यान रहे सरकार के सामने कम से कम अभी राजनीतिक चुनौती नहीं है। हालांकि आगे इसके आसार हैं। भारतीय जनता पार्टी की ओर से जिस समय अपना मुख्यमंत्री बनाने का प्रयास होगा उस समय चुनौती आएगी। लेकिन ऐसा लग रहा है कि उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव तक ऐसा नहीं होगा। सरकार के सामने कोई प्रशासनिक चुनौती भी नहीं है क्योंकि नौकरशाही वही है, जो पिछले 20 साल से नीतीश कुमार के साथ काम कर रही है। उनकी पसंद के अधिकारी सभी महत्वपूर्ण पदों पर बैठे हैं और उनको पता है कि सरकार को किस एजेंडे को प्राथमिकता में रख कर काम करना है। इस बार चुनाव में भाजपा और जनता दल यू के बीच पहले से बेहतर तालमेल दिखा है। अब यह देखना होगा कि शासन चलाने में दोनों का तालमेल वैसा ही रहता है या नहीं?

माना जा रहा है कि इस बार भारतीय जनता पार्टी सरकार पर पहले से ज्यादा नियंत्रण रखने का प्रयास करेगी। इसके तीन कारण हैं। एक कारण तो यह है कि नीतीश कुमार की सेहत पहले जैसी नहीं है और वे खुद रोजमर्रा के कामकाज को संभालने में ज्यादा दिलचस्पी नहीं लेते हैं। दूसरा कारण यह है कि भाजपा को बहुत ज्यादा सीटें मिली हैं। वह बिहार विधानसभा की सबसे बड़ी पार्टी बनी है, ऐसा पहली बार हुआ है। तीसरा कारण यह है कि बिहार में विकास की और लोक कल्याण की योजनाओं के लिए केंद्र सरकार से ज्यादा आवंटन मिलने की संभावना है, जिसके लिए बेहतर तालमेल की आवश्यकता है।

फिर सवाल है कि सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती क्या है? सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती राजस्व की है। चुनाव से पहले सरकार ने जो वादे किए हैं उन वादों को पूरा करने के लिए बड़े राजस्व की जरुरत है। यहां यह ध्यान रखने की जरुरत है कि पहले नीतीश का विपक्ष लालू प्रसाद या तेजस्वी यादव होते थे, जो सरकार के ऊपर ज्यादा हमले नहीं करते थे क्योंकि उनको उम्मीद लगी रहती थी कि कब नीतीश के साथ सरकार बनाने का मौका मिल जाए!

दूसरे वे हमला करते थे तो लोग उनसे उनके राज के बारे में पूछने लगते थे। लेकिन अब प्रशांत किशोर के रूप में बिहार में एक सजग विपक्ष मौजूद है, जिसके ऊपर पहले के शासन का कोई बैगेज नहीं है। उन्होंने कहा भी है कि सरकार की योजनाओं और वादों को पूरा करने पर उनकी नजर रहेगी। वे इसमें सरकार की विफलता का मुद्दा उठाएंगे। सरकार की शपथ के दिन महात्मा गांधी के भितिहरवा आश्रम में एक दिन का उपवास करके उन्होंने अपने इरादे बता दिए हैं। सो, सरकार को गंभीर हो जाना होगा।

अभी एक करोड़ 51 लाख महिलाओं के खाते में 10-10 हजार रुपए गए हैं। बचे हुई करीब सवा करोड़ महिलाओं के खाते में यह रकम जानी है। उसके बाद लाखों महिलाओं को दो दो लाख रुपए देने का भी वादा है। इसके लिए पैसे कहां से आएंगे? ऐसे ही एक करोड़ नौकरियों और रोजगार का वादा है, जिसके लिए लाखों सरकारी पद सृजित करने होंगे। सरकार ने उद्योग में एक लाख करोड़ रुपए के निवेश का वादा किया है। नए स्कूल, कॉलेज और अस्पताल बनवाने के वादे हैं।

125 यूनिट फ्री बिजली के बाद हर घर पर सोलर पैनल लगवाने का वादा है। सवाल है कि सरकार के पास राजस्व बढ़ाने का क्या तरीका है? क्या केंद्र के अनुदान और देसी, विदेशी संस्थाओं के कर्ज के भरोसे इतने वादे किए गए हैं? ध्यान रहे बिहार पर पहले से ही बहुत ज्यादा कर्ज है और हर दिन बिहार 63 करोड़ रुपया कर्ज के ब्याज के तौर पर चुका रहा है। सो, नया कर्ज बहुत सोच समझ कर लेना होगा। एक सवाल यह भी है कि शराबबंदी का क्या होगा? इससे सालाना 20 से 25 हजार करोड़ रुपए के राजस्व का घाटा हो रहा है। प्रशांत किशोर ने शराबबंदी खत्म करने का वादा किया था। यह नीतीश कुमार की लीगेसी है, जिसे देखना है कि कितने समय तक चलाया जाता है?

यह सही है कि सरकार के सामने मुख्य रूप से आर्थिक चुनौती है और कोई राजनीतिक या प्रशासनिक चुनौती नहीं है। लेकिन एक बात हमेशा ध्यान में रखने की है कि जब इतना बड़ा बहुमत मिलता है तो उसके बाद अनदेखे राजनीतिक संकट खड़े होते हैं। यह भारत का और बिहार का भी इतिहास रहा है। केंद्र में 415 के बहुमत के साथ राजीव गांधी की सरकार बनी थी लेकिन उसके बाद खुद राजीव गांधी का और कांग्रेस का क्या हुआ यह सबको पता है। उसी तरह बिहार में 2010 के विधानसभा चुनाव में एनडीए को 206 सीटों का बहुमत मिला था। जनता दल यू को 115 और भाजपा को 91 सीटें मिली थीं।

लेकिन तीन साल के बाद ही हालात बदल गए थे। गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी को लोकसभा चुनाव की कमान सौंपे जाने के विरोध में नीतीश कुमार ने भाजपा से नाता तोड़ लिया था और दो साल तक अकेले सरकार चलाई थी। उसके बाद उन्होंने राजद के साथ तालमेल करके 2015 का विधानसभा चुनाव लड़ा, जिसमें चार पार्टियों से तालमेल के बावजूद भाजपा 91 से घट कर 53 पर आ गई। 2010 में भी ऐसी कोई संभावना नहीं दिख रही थी कि नीतीश भाजपा को छोड़ेंगे और अब भी कोई आशंका नहीं दिख रही है कि दोनों पार्टियों के बीच कोई ऐसा घटनाक्रम दोहराया जा सकता है। लेकिन भविष्य किसने देखा है और राजनीति तो वैसे भी हमेशा संभावनाओं से भरी होती है।

कृषि महाविद्यालय में चार दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का भव्य समापन

विभिन्न प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम, एसकेएस राजनांदगांव ओवरऑल चैंपियन

बेमेतरा। कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, बेमेतरा में आयोजित चार दिवसीय पश्चिम क्षेत्रीय अंतर महाविद्यालयीन खेलकूद प्रतियोगिता 2025 का समापन समारोह बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। चार दिनों तक चले इस आयोजन ने विभिन्न महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं को एक मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू तथा विशिष्ट अतिथि डॉ. विनम्रता जैन, अधिष्ठाता–कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, राजनांदगांव थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. यू.के. ध्रुव ने की, जबकि आयोजन सचिव डॉ. असित कुमार उपस्थित रहे। चार दिनों तक विभिन्न खेलों का आयोजन कृषि महाविद्यालय परिसर में किया गया। प्रमुख खेलों में शामिल थे रिले रेस, खो-खो, कबडडी, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, तवा फेंक, भाला फेंक, लंबी एवं ऊंची कूद, 100, 200, 400, 800 और 1500 मीटर दौड़ इन प्रतियोगिताओं में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर से संबद्ध पश्चिम क्षेत्रीय आठ महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने रोमांचक मुकाबले प्रस्तुत किए। विशिष्ट अतिथि डॉ. विनम्रता जैन ने कहा कि खेल युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और जीवन की चुनौतियों का सामना करने की शक्ति विकसित करते हैं। प्रभारी अधिष्ठाता डॉ. योगेंद्र ने अपने संबोधन में कहा कि जीवन स्वयं एक खेल है, जिसमें जीत और हार दोनों का महत्व होता है। मुख्य अतिथि एसएसपी रामकृष्ण साहू ने कहा कि शिक्षा तभी पूर्ण होती है जब उसमें खेल, कला और संस्कृति का समावेश हो। उन्होंने खिलाड़ियों को मेहनत, लगन और टीम भावना बनाए रखने की प्रेरणा दी। इस प्रतियोगिता में ओवरऑल चैंपियनशिपः एसकेएस कृषि महाविद्यालय, राजनांदगांव रनर-अप चैंपियनशिपः संत कबीर कृषि महाविद्यालय, कवर्धा 7 विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कई खिलाड़ियों ने स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक हासिल किए। रेवेंद्र सिंह वर्मा कृषि महाविद्यालय, बेमेतरा के खिलाड़ियों ने भी कई प्रतियोगिताओं में चमक बिखेरी जिसमे 100 मीटर दौड़ अनिकेत (स्वर्ण), तवा फेंक दिव्यांशु (स्वर्ण), टेबल टेनिस विमला, सीमा (स्वर्ण), खो-खो महिला वर्ग टीम बेमेतरा (स्वर्ण), गोला फेंक आरती (स्वर्ण), तवा फेंक आरती (रजत), टेबल टेनिस पुरुष वर्ग राहुल, सुमित सिकदार (रजत), 1500 मीटर दौड़ दिव्यांशु (रजत), ऊंची कूद आकाश (रजत), 4100 मीटर रिले रेस पुरुष वर्ग - बेमेतरा टीम (स्वर्ण) पुरुष वर्ग बेस्ट एथलीटः प्रहलाद (संत कबीर कृषि महाविद्यालय, कवर्धा) रनर-अप बेस्ट एथलीटः दिव्यांशु (रेवेंद्र सिंह वर्मा कृषि महाविद्यालय, बेमेतरा) महिला वर्ग बेस्ट एथलीटः पुनिका चंद्रवंशी (कृषि महाविद्यालय, राजनांदगांव)। मुख्य अतिथि एसएसपी रामकृष्ण साहू ने विजेताओं को पदक और ट्रॉफियां प्रदान कीं। पुरस्कार लेते हुए खिलाड़ियों में उत्साह चरम पर था और समूचा खेल मैदान तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। इस अवसर पर डॉ. टी.डी. साहू, डॉ. हेमलता निराला, डॉ. कुंती बंजारे, डॉ. भारती बघेल, डॉ. राजेश्वरी कुर्रे, डॉ. प्रीति पैकरा, डॉ. साक्षी बजाज, डॉ. सरिता शर्मा, डॉ. महानंद साहू, संजीव, डॉ. रामेश्वर पाटिल सहित समस्त कर्मचारीगण उपस्थित रहे और सभी ने प्रतियोगिता का भरपूर आनंद लिया।

तुषार भट्ट का चयन 69 वें राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में फुटबाल के लिए हुआ

दल्लीराजहरा। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चिखली के कक्षा नौवमी के छात्र तुषार भट्ट का चयन 69 वें राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2025 में फुटबाल के लिए हुआ। यह प्रतियोगिता 01 दिसम्बर से 05 दिसम्बर तक उमरिया मध्यप्रदेश में आयोजित होगी। रानी दुर्गावती फुटबॉल क्लब चिखली के सचिव व कोच चन्द्रशेखर पवार ने बताया तुषार भट्ट हमारे क्लब का नियमित खिलाड़ी हैं और 3 वर्षो से फुटबाल सीख रहा है। तुषार का चयन बालोद में हुए राज्य स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता के आधार पर किया गया। तुषार शालेय फुटबाल छत्तीसगढ़ टीम का प्रतिनिधित्व करेगा। तुषार खेल के साथ साथ पढ़ाई में भी होशियार है खेल के साथ पढ़ाई पर भी विशेष ध्यान देता है। इनके पिता पेशे से वकील है, तुषार सुबह-शाम 2 घण्टे चिखली मैदान में अभ्यास कर अपनी खेल प्रतिभा को निखारने का कार्य कर रहा हैं। शालेय राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता में चयन होने पर जिला शिक्षा अधिकारी बालोद मधुलिका तिवारी, सहा जिला खेल अधिकारी शिक्षा विभाग किशोर मेहरा, सपन जेना खेल समन्वयक बालोद, प्राचार्य चिखली विनीता, विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी डौण्डी प्रवीण कुमार चतुर्वेदी, मंजुला यदु बीएसओ डौण्डी, संजय ठाकुर, सरपंच चिखली रम्हऊ राम, रामाधार साहू, तेजेश्वर भट्ट, चम्पा लाल, दिनेश किशान, जगप्रीत संधू, समस्त स्टाफ चिखली एवं ग्रामीणो ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

शिविर में 110 वाहन चालकों का किया गया नेत्र परीक्षण

बेमेतरा। स्वास्थ्य विभाग राष्ट्रीय दृष्टिहीनता एवं अल्प दृष्टि नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत जिला बेमेतरा में 24 से 29 नवंबर तक राष्ट्रीय राज मार्ग वाहन चालक नेत्र परीक्षण सप्ताह मनाया जाने का दिशानिर्देश राज्य कार्यालय से प्राप्त हुआ है। उक्तानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमृत लाल रोहलेडर एवं जिला सहायक नोडल अधिकारी (अंधत्व) डॉ. बी.एल. राज के मार्गदर्शन में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र जेवरा एवं चोरभट्टी बाईपास बेमेतरा में भारी वाहन चालकों का नेत्र परीक्षण सप्ताह कार्यक्रम आयोजित किया गया। नोडल अधिकारी डॉ बी एल राज द्वारा जानकारी दी गई कि नेत्र परीक्षण में कलर ब्लाइंडनेस, निकट दृष्टिदोष, दूर दृष्टिदोष, प्रेस बायोपिक आदि का परीक्षण कर चश्मा नबंर के साथ आई ड्रॉप्स दिया जा रहा है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सड़क हादसों को रोकने के लिए ट्रक चालको का निःशुल्क नेत्र परीक्षण किया जाना है और उन्हें सुरक्षित ड्राइविंग के लिए प्रेरित करना है। राष्ट्रीय राजमार्ग पर चलने वाले ड्रायवर समय अभाव के चलते अपना नेत्र परीक्षण नहीं करा पाते है, जिसके कारण कई बार दुर्घटना का शिकार हो जाते है। उक्त नेत्र परीक्षण शिविर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू के सुपरविजन में तथा यातायात प्रभारी रक्षित निरीक्षक प्रवीण खलखो और उनके टीम के सहयोग से इस नेत्र परीक्षण शिविर आयोजन को सफल बनाया गया। इस शिविर में कुल 110 वाहन चालकों का नेत्र परीक्षण किया गया। जिन वाहन चालकों में दृष्टिदोष पाया गया, उन्हें उचित इलाज कराने और चश्में को उपयोग करने की सलाह दी गई। स्वास्थ्य विभाग द्वारा नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ अंशु अग्रवाल, सहायक नोडल अधिकारी विद्यासागर द्वारा शिविर का निरीक्षण किया गया। इस नेत्र परीक्षण शिविर कार्यक्रम में बीएमओ खण्डसरा डॉ शरद कोहद्यड़े, प्रधान आरक्षक संदीप सिंह, आरक्षक हुलेश साहू, नेत्र सहायक अधिकारी ओंकार चन्द्राकर, योगेन्द्र भार्गव, योगेश साहू, मुकेश टंडन का विशेष सहयोग रहा।

बैगा आवास योजना में खुली लापरवाहीः करोड़ों की राशि जारी, पर निर्माण अधूरा, हितग्राही भटके, जिम्मेदार गायब

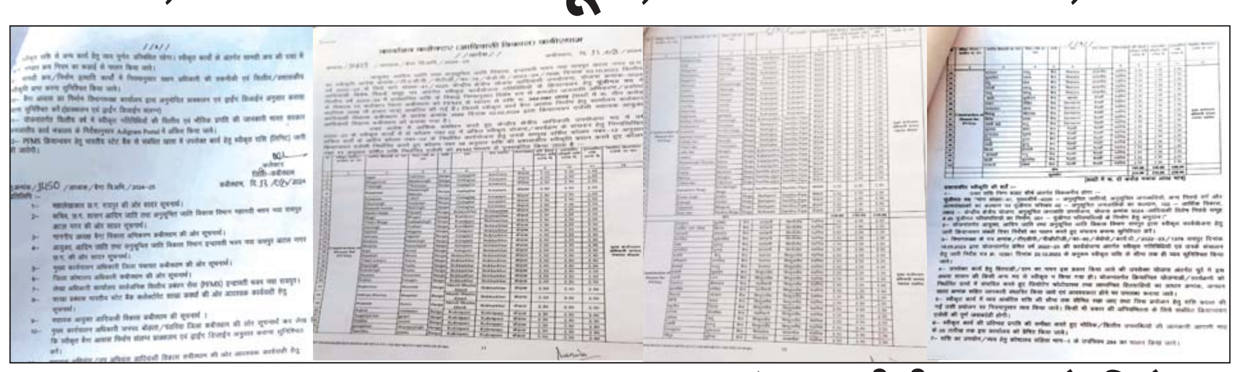

कवर्धा। विशेष रूप से कमजोर जनजाति बैगा समुदाय के आवास निर्माण कार्यो में भारी लापरवाही और कार्ययोजना की धज्जियाँ उड़ाने का मामला सामने आया है। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए 342.090 लाख की बड़ी राशि पीएफएमएस के माध्यम से कलेक्टर कबीरधाम को आवंटित की गई थी। उददेश्य था–बैगा समुदाय के हितग्राहियों के लिए स्वीकृत आवासों का निर्माण। लेकिन जमीनी हकीकत बताती है कि यह योजना फाइलों में आगे बढ़ती रही और गांवों में अधूरी पड़ी रही। योजना की वास्तविक स्थिति–नींव से आगे नहीं बढ़ा आवास, कई हितग्राही महीनों से आवास निर्माण की राह देख रहे हैं। बोक्करखार निवासी सक्कु ने बताया– मेरे घर की तो सिर्फ नींव खुदाई हुई है। बार-बार दफ्तरों के चक्कर लगाए, लेकिन कोई सुनवाई नहीं। किसी का काम नींव तक रुका है, किसी का केवल कलम भराई पर–कुल मिलाकर निर्माण कार्य लगभग ठप है।

तकनीकी सहायक के रिश्तेदार को ठेका, लाभार्थियों में आक्रोश

जानकारी यह भी सामने आई है कि कार्य को तकनीकी सहायक पवन चंद्रवंशी के एक रिश्तेदार को ठेके पर दिया गया था। पहली किस्त का उपयोग कर निर्माण शुरू तो किया गया, लेकिन महीनों से काम अधूरा पड़ा है। इससे विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा समुदाय में गहरा आक्रोश है। लोग मांग कर रहे हैं कि– निर्माण कार्य तत्काल पूर्ण कराया जाए और जिम्मेदारों पर कार्रवाई हो।

जनपद पंचायत बोड़ला में राशि हस्तांतरित–फिर भी काम अधूरा

आवास निर्माण के लिए स्वीकृत राशि जनपद पंचायत बोड़ला के खाते में स्थानांतरित की गई थी। इसके बावजूद बैगा हितग्राहियों की उम्मीदें आज भी मलबे और अधूरे ढांचे के बीच पड़ी हुई हैं।

सवाल बड़ा और गंभीर है

जब राशि जारी हो चुकी, आदेश स्पष्ट हैं और एजेंसी निर्धारित है, फिर बैगा हितग्राहियों के घर क्यों नहीं बने? यह मामला न केवल सरकारी तंत्र की सुस्ती बल्कि योजना क्रियान्वयन में गंभीर अनियमितताओं की ओर इशारा करता है। बैगा समुदाय मांग कर रहा है कि योजना की समीक्षा, जिम्मेदारों की जवाबदेही और अधूरे आवासों का शीघ्र निर्माण सुनिश्चित किया जाए।

शिक्षा व व्यवसाय में समाज की उन्नति निहित : प्रदेशाध्यक्ष

तहसील साहू संघ व नगर साहू संघ का शपथ ग्रहण

डोंगरगांव नगर। प्रदेश साहू संघ छत्तीसगढ़ के गाईडलाईन मुताबिक तहसील साहू संघ डोंगरगांव एवं नगर साहू संघ डोंगरगांव के निर्वाचन उपरांत शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हुआ। समारोह में छग प्रदेश साहू संघ प्रदेशाध्यक्ष डॉ नीरेंद्र साहू मुख्य अतिथि बतौर शिरकत की। उन्होंने साहू समाज मे शिक्षा व व्यवसाय को जोर देते हुए समाज के मुख्यधारा में चलने आव्हान किया। मटियावार्ड स्थित कर्मा भवन में आयोजित तहसील साहू संघ डोंगरगांव एवं नगर साहू संघ डोंगरगांव के संयुक्त शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यअतिथि प्रदेशाध्यक्ष डॉ नीरेंद्र साहू थे। उन्होंने समाज को संबोधित करते हुए कहा कि सभी पदाधिकारियों को सामाजिक नियमावली का पालन करते हुए एकता और अखंडता के साथ विकसित समाज की परिकल्पना को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध रहना चाहिए। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष भागवत साहू ने की। अतिविशिष्ट अतिथि खुज्जी विधायक भोलाराम साहू, पुर्व विधायक छन्नी साहू थे। विशेष अतिथि नीलमणी साहू, कमलकिशोर साहू, नोबल साहू, मदन साहू, अमरनाथ साहू, चंद्रशेखर साहू, हेमंत साहू व माधव साहू थे। इस मौके पर जनपद सदस्य रवि साहू व ग्राम समाज मटिया अध्यक्ष पुरुषोत्तम साहू भी मंचस्थ थे। मां कर्मा के सामूहिक पूजन अर्चन व अतिथि स्वागत पश्चात जिलाध्यक्ष भागवत साहू द्वारा नव निर्वाचित तहसील साहू संघ अध्यक्ष शिवराम साहू, उपाध्यक्ष गणेश साहू व डेहरीन साहू, संगठन सचिव कमल साहू व पूनम साहू, सचिव कृष्ण कुमार साहू, कोषाध्यक्ष सुरेंद्र साहू सहित विभिन्न प्रकोष्ठ के संयोजकों को शपथ दिलाई। इसी क्रम में तहसील अध्यक्ष शिवराम साहू द्वारा नगर साहू संघ निर्वाचित अध्यक्ष कौशल साहू, उपाध्यक्ष नामदेव साहू व हंसू साहू, संगठन सचिव घनश्याम साहू व लोकेश्वरी साहू, सचिव उमेश साहू, कोषाध्यक्ष ताम्रध्वज साहू सहित प्रकोष्ठों के संयोजकों को भी शपथ ग्रहण कराया। उक्त अवसर पर तहसील साहू संघ, नगर व परिक्षेत्र साहू संघ सहित समस्त ग्राम इकाई के पदाधिकारीगण एवं विभिन्न प्रकोष्ठ के पदाधिकारी सहित सामाजिक अनुयायी बड़ी सँख्या में उपस्थित थे।शपथ ग्रहण कार्यक्रम का संचालन लविंद्र साव व गुमान साहू ने किया। आभार प्रदर्शन तहसील साहू संघ के सचिव कृष्ण कुमार साहू ने किया।

पराली न जलाने किसानों से की गई अपील, उल्लंघन पर होगी सख्त कार्यवाही

बेमेतरा। कृषि विभाग द्वारा किसानों को लगातार पराली प्रबंधन के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में कृषि विकास अधिकारी, बेरला कार्यालय द्वारा ग्राम कठिया के किसान शिवनंदन टण्डन को पराली जलाने के संबंध में चेतावनी जारी की गई है। जारी सूचना के अनुसार किसान द्वारा अपने खेत (ग्राम कठिया) में पराली जलाए जाने की जानकारी प्राप्त हुई। पराली जलाना पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986, राष्ट्रीय हरित अधिकरण तथा राज्य शासन के दिशानिर्देशों के तहत दण्डनीय अपराध है। इससे वायु प्रदूषण बढ़ता है और मिट्टी की उर्वरता पर गंभीर प्रभाव पड़ता है। जिला प्रशासन बेमेतरा और कृषि विभाग द्वारा लगातार किसानों से अपील की जाती रही है कि पराली न जलाएँ, बल्कि उसका वैज्ञानिक प्रबंधन करें या गौशालाओं में पैरा दान दें। अधिकारी द्वारा किसान को निर्देश दिए गए हैं कि भविष्य में किसी भी परिस्थिति में पराली या फसल अवशेष न जलाएँ तथा कृषि विभाग द्वारा सुझाए गए विकल्प जैसे मल्चर, हैपी सीडर, रोटावेटर, कम्पोस्टिंग, पिट विधि और चराई का उपयोग किया जाए। सूचना में यह भी उल्लेख किया गया है कि यदि भविष्य में दोबारा पराली जलाने की घटना पाई जाती है, तो किसान के विरुद्ध नियमानुसार जुर्माना और कानूनी कार्यवाही की जाएगी। कृषि विभाग ने सभी किसानों से निर्धारित

नियमों का पालन करते हुए पर्यावरण संरक्षण में सहयोग करने की अपील की है।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने पचेड़ा उप स्वास्थ्य केन्द्र का किया आकस्मिक निरीक्षण

दल्लीराजहरा। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील चंद्रवंशी ने 28 नवम्बर को डौण्डी विकासखण्ड के उप स्वास्थ्य केंद्र पचेड़ा का आकस्मिक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने उप स्वास्थ्य केन्द्र में औषधि वितरण केन्द्र, चिकित्सक कक्ष, लेबर रूम आदि का निरीक्षण किया। इस मौके पर श्री चंद्रवंशी ने उप स्वास्थ्य केन्द्र में रखे गए स्वास्थ्य संबंधी उपकरणों, दवाइयां आदि का भी अवलोकन किया। उन्होंने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को चिकित्सालय में सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा का लाभ दिलाने के निर्देश दिए।

चोरी के सोने–चांदी के जेवरात चांदी की मुर्तिया सहित सिक्का जब्त

बेमेतरा। जिले में पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू के निर्देशन में सोना चांदी के जेवरातों की चोरी एवं अन्य संपत्ति संबंधी अपराध में सलिप्त लोगों एवं अवैध गतिविधियों पर लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में थाना थान खम्हरिया पुलिस टीम ने थाना खम्हरिया में पंजीबद्ध 01 चोरी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। 12.10.2025 को प्रार्थीया सीताबाई रामटेके पति स्व. प्रेमलाल रामटेके उम्र 60 साल निवासी वार्ड नंबर 05 थानखम्हरिया जिला बेमेतरा ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि घर के चैनल गेट में लगे व कमरे के दरवाजा मे लगा ताला तोडकर, अंदर प्रवेश कर आलमारी व लॉकर को तोडकर आलमारी के लॉकर में रखे पुरानी इस्तेमाली 02 तोला सोने का कंगन,

चांदी का अईठी 5 चांदी के सिक्के, सोने की फुल्ली, नगदी रकम एक लाख रूपये को 12.10.25 के दोपहर करीबन 1:15 बजे से शाम 05:30 बजे के मध्य कोई अज्ञात चोर ताला तोडकर घर आलमारी में रखे सामान को चोरी कर ले गया है कि प्रार्थीया कि रिपोर्ट पर कि रिपोर्ट पर थाना खम्हरिया में अज्ञात आरोपी के विरूद्ध धारा-305 (ए).331 (3)317 (2),3(5) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। घटना की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई, जिस पर मामले की गंभीरता को मद्देनजर रखते हुए पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू के निर्देशानुसार, अति. पुलिस अधीक्षक ज्योति सिंह एवं प्रभारी एसडीओपी बेमेतरा कौशिल्या साहू, एसडीओपी बेरला विनय कुमार,डीएसपी राजेश कुमार झा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी थान खम्हरिया निरीक्षक चंद्रदेव वर्मा व थाना स्टाफ को अज्ञात आरोपी की पता तलास हेतु त्वरित टीम गठित कर माल, मुल्जिम पता साजी में लगाया गया। अधिकारियों के मार्गदर्शन में प्रकरण के अज्ञात आरोपी का पता तलाश किया जा रहा था कि प्रकरण में विगत दिनों पूर्व में एक विधि के साथ संघर्षरत बालक से पुछताछ करने पर उक्त चोरी की घटना को अकेले सोने, चांदी की चोरी करना स्वीकार करने पर उसके कब्जे से सोने चांदी के जेवरात चांदी की मुर्तिया, सिक्का कुल जुमला किमती 32,500 /- रूपये एवं घटना में प्रयुक्त एक लोहे की राड को जप्त कर बरामद किया गया। प्रकरण में 17.10.2025 को एक विधि से संघर्षरत बालक को किशोर न्याय बोर्ड न्यायालय में प्रस्तुत किया गया था। प्रकरण में पंकज बैरागी ने विधि से संघर्षरत बालक से सोने के 02 कंगन चोरी का जानते हुये भी बेचकर पैसा दूंगा करके रायपुर में 70,000/- रूपये में 02 सोने के कंगन को बेचना, जिसमें से आरोपी पंकज बैरागी ने 30,000/- रूपये खाने पीने में खर्च होना एवं 40,000 /- रूपये को अपने पास रखना, बताकर पेश करने पर जप्त कर बरामद किया गया। आरोपी पंकज बैरागी पिता श्यामदास बैरागी उम्र 24 साल साकिन सुर्यनगर गोगांव डबरापारा रायपुर थाना गुढियारी जिला रायपुर को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में न्यायिक रिमांड पर प्रस्तुत किया गया। इस संपूर्ण कार्रवाई में थाना प्रभारी थान खम्हरिया निरीक्षक चंद्रदेव वर्मा, प्रधान आरक्षक अजय लहरे, आरक्षक सौरभ सिंह, अशरफी खान, दिनेश निषाद एवं अन्य स्टाफ की महत्वपूर्ण योगदान रहा।

संक्षिप्त समाचार

तत्काल योजना में आधार ओटीपी प्रमाणीकरण लागू-बिलासपुर-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस के लिए आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण

बिलासपुर। रेलवे बोर्ड द्वारा तत्काल टिकट योजना में महत्वपूर्ण संशोधन करते हुए आधार आधारित ओटीपी प्रमाणीकरण को अनिवार्य कर दिया गया है । अब संपूर्ण भारतीय रेलवे की सूचीबद्ध ट्रेनों में तत्काल आरक्षण के दौरान यात्री को अपना आधार ओटीपी सत्यापन पूरा करना आवश्यक होगा । इसी कड़ी में, ट्रेन संख्या 12441 (बिलासपुरनई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस) की अगली यात्रा गुरुवार, 04 दिसंबर 2025 को निर्धारित है । इस यात्रा के लिए तत्काल बुकिंग 03 दिसंबर 2025 से प्रारंभ होगी । इस ट्रेन के लिए आधार ओटीपी सक्षम करने से संबंधित सभी आवश्यक तकनीकी प्रक्रियाएँ पूरी कर ली गई हैं, तथा यात्री अब अपना आधार विवरण सत्यापित कर ओटीपी आधारित तत्काल टिकट बुक कर सकते हैं । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे यात्रियों से अनुरोध करता है कि वे नए निर्देशों का पालन करें और तत्काल टिकट लेते समय आधार ओटीपी प्रमाणीकरण अवश्य कराएँ, जिससे उनकी बुकिंग प्रक्रिया तेज़, सुरक्षित और निर्बाध बनी रहे ।

ई-कैटरिंग सेवा : यात्रियों को मिल रहा है अधिक विकल्प, बेहतर सुविधा

बिलासपुर। भारतीय रेलवे की ई-कैटरिंग नीति के तहत यात्री अब अपनी यात्रा के दौरान आईआरसीटीसी के अधिकृत प्लेटफ़ॉर्म एवं विक्रेताओं के माध्यम सेप ऑनलाइन भोजन ऑर्डर कर सकते हैं । आईआरसीटीसी द्वारा मान्यता प्राप्त रेस्तरां, ब्रांडेड आउटलेट एवं डिलीवरी पार्टनर यात्रियों को चयनित स्टेशन पर सीधे सीट पर भोजन डिलीवर करते हैं । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा आईआरसीटीसी के साथ मिलकर ई-कैटरिंग सेवाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है । विशेष रूप से अमृत भारत योजना के अंतर्गत आने वाले स्टेशनों पर अधिकृत ई-कैटरिंग अधिकृत विक्रेता की संख्या बढ़ाई जा रही है, जिससे यात्रियों को अधिक विकल्प, विविधतापूर्ण मेन्यू, विस्तृत सेवा-क्षेत्र और बेहतर सेवा स्तर उपलब्ध हो सके । नवम्बर 2025 तक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में 357 अधिकृत ई-कैटरिंग अधिकृत विक्रेता उपलब्ध हैं, जबकि अप्रैल 2025 में इनकी संख्या केवल 180 थी, अर्थात् उल्लेखनीय वृद्धि हासिल की गई है । इन सेवाओं का लाभ अब रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, गोंदिया, पेंड्रा रोड, अनुपपुर, उमरिया, छिंदवाड़ा सहित मुख्य एवं शाखा लाइन के कई स्टेशनों पर उपलब्ध है । यात्री अपनी पसंद के ब्रांडेड आउटलेट जैसे डोमिनोज़, केएफ्सी, हल्दीराम आदि के साथ-साथ स्थानीय लोकप्रिय भोजन केंद्रों से भी भोजन मँगवा रहे हैं । ई-कैटरिंग सेवाओं की उपलब्धता बढ़ने से रेल मदाद प्लेटफ़ॉर्म पर भोजन की अनुपलब्धता से संबंधित शिकायतें विशेषकर कटनी-बिलासपुर सेक्शन में शून्य पर आ गई हैं । यात्रियों से प्राप्त फीडबैक भी दर्शाता है कि यात्रा के दौरान मनपसंद भोजन की उपलब्धता से उनकी संतुष्टि में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है ।दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे यात्रियों के लिए गुणवत्तापूर्ण एवं सुविधाजनक यात्रा अनुभव सुनिश्चित करने हेतु निरंतर प्रयासरत है ।

कटघोरा शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने एसडीएम के नेतृत्व में चली पालिका की कार्रवाई

कोरबा। नगर के मुख्य मार्ग पर लगातार बढ़ते अतिक्रमण और इससे आम नागरिकों को हो रही परेशानियों को देखते हुए स्थानीय प्रशासन ने अब सख्त रुख अपनाना शुरू कर दिया है. शनिवार को एसडीएम तन्मय खन्ना के निर्देश पर नगर पालिका परिषद की टीम ने शहीद वीर नारायण चैक के पास बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की. कटघोरा के सबसे व्यस्ततम चैराहों में से एक वीर नारायण चैक के पास स्थित गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल के मुख्य गेट के ठीक सामने लंबे समय से कई दुकानों ने अवैध कब्जा जमा रखा था. दुकानों की वजह से सड़क पर जगह बेहद कम हो गई थी, जिसके चलते छात्राओं और शिक्षिकाओं को सड़क पार करने और स्कूल आने-जाने में लगातार दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था. कई बार ट्रैफिक जाम और दुर्घटना जैसे हालात भी बनते रहे. स्कूल प्रबंधन द्वारा इस समस्या को प्रशासन के संज्ञान में लाए जाने के बाद मामले को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम तन्मय खन्ना ने तुरंत कार्रवाई के आदेश जारी किए। नगर पालिका परिषद की टीम ने सुबह से ही मौके पर पहुंचकर दुकानों, बढ़े हुए शेड, बैनर और ठेले-खोमचे को हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी. कार्रवाई के दौरान किसी भी प्रकार की बाधा न आए, इसके लिए पुलिस बल भी मौके पर तैनात रहा. एसडीएम तन्मय खन्ना और नगर पालिका ब्डव् मुद्रिका प्रसाद तिवारी स्वयं पूरे ऑपरेशन की निगरानी करते रहे. अचानक हुई इस कार्रवाई से अवैध कब्जा जमाकर बैठे लोगों में हड़कंप मचा रहा, जबकि आम नागरिकों और अभिभावकों ने इस कदम का स्वागत किया। नगर पालिका ब्डव् मुद्रिका प्रसाद तिवारी ने बताया कि यह कार्रवाई केवल शुरुआत है.

विश्व एड्स दिवस पर विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन

विधायक अमर अग्रवाल एवं कलेक्टर अग्रवाल को बांधा रेड रिबन

■ व्यवधानों पर विजय पाए, एड्स की प्रतिक्रिया में सकरात्मक बदलाव लाए'' थीम पर हुए आयोजन

बिलासपुर। 1 दिसंबर 2025 को विश्व एड्स दिवस के अवसर पर जिले में स्वास्थ्य विभाग एवं जिला एड्स नियंत्रण इकाई द्वारा जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। बिलासपुर विधायक अमर अग्रवाल और कलेक्टर संजय अग्रवाल को स्वास्थ्य विभाग की टीम और सामाजिक संस्थाओं द्वारा रेड रिबन पहनाया गया और एड्स के प्रति सामाजिक जागरूकता में सहयोग की अपील की गई। सीएमएचओ डॉ. शुभा गरेवाल और एड्स नियंत्रण कार्यक्रम की नोडल अधिकारी डॉ. गायत्री बांधी के मार्गदर्शन में इस वर्ष की थीम व्यवधानों पर विजय पाए, एड्स की प्रतिक्रिया में सकरात्मक बदलाव लाए को केंद्र में रखते हुए विभिन्न गतिविधियाँ संचालित की गई। बिलासपुर विधायक श्री अमर अग्रवाल और कलेक्टर संजय अग्रवाल को टीआई एनजीओ के सदस्यों के द्वारा रेड रिबन पहनाया गया। बिलासपुर विधायक अमर अग्रवाल ने कहा कि समाज में एड्स के प्रति बहुत सी भ्रांतियां है जिन्हें दूर किया जाना आवश्यक है। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने कहा कि विश्व एड्स दिवस सामाजिक जागरूकता का संदेश देता है। हम समाज और समुदाय को अधिक से अधिक एचआईवी और एड्स के प्रति जागरूक कर सके ताकि लोग संक्रमण से बच सके। सीएमएचओ डॉ. शुभा गरेवाल ने अपने संदेश में कहा कि समाज में एचआईवी, एड्स को लेकर कई तरह की रुकावटें और भ्रांतियाँ हैं, जिन्हें दूर करना आवश्यक है। लगातार प्रयास, सही जानकारी और समय पर उपचार से एचआईवी नियंत्रित किया जा सकता है, जिससे मरीज स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। डीटीओ डॉ. गायत्री बांधी ने जिले में उपलब्ध सेवाओं आईसीटीसी एआरटी सेंटर और टार्गेटेड इंटरवेनशन की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सेवाओं तक पहुँच में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए विभाग लगातार समुदाय के साथ मिलकर काम कर रहा है। विश्व एड्स दिवस के अवसर पर सिम्स, जिला अस्पताल, विभिन्न सामुदायिक केंद्रों में 2025 की थीम के अनुरूप विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों, रैली, बैनर पोस्टर के माध्यम से लोगों को बदलते समय के साथ जागरूकता बढ़ाने, सेवाओं तक पहुँच मजबूत करने और भेदभाव समाप्त करने का संदेश दिया गया। जिले में कार्य कर रही विभिन्न सामाजिक संस्थाएं समर्पित, छत्तीसगढ़ प्रचार एवं विकास समिति, बस्तर सामाजिक विकास समिति, प्रकृति सेवा संस्थान, ओएसटी सेंटर, नवस्थ विकास समिति द्वारा अनेक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये गये।

सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की महत्वपूर्ण पहल........

■ हिमगीर-दाघोरा के मध्य समपार संख्या 276 पर निर्माणाधीन रोड ओवरब्रिज में गर्डरों की सफल स्थापना

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा एवं सुविधा बढ़ाने के लिए निरंतर महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। समपार फाटकों पर दुर्घटनाओं की रोकथाम करने तथा अत्यधिक सड़क यातायात वाले मार्गों पर ट्रेनों के आवागमन के दौरान होने वाली असुविधाओं को समाप्त करने के उद्देश्य से विभिन्न समपार फाटकों पर रोड ओवरब्रिज , रोड अंडरब्रिज एवं लिमिटेड हाइट सबवे (रुास) का निर्माण किया जा रहा है, ताकि यातायात को सुरक्षित रूप से वैकल्पिक मार्ग प्रदान किया जा सके। इसी क्रम में मंडल के हिमगीर-दाघोरा स्टेशनों के मध्य किमी 552/05-07 पर स्थित समपार संख्या 276 (गुमदा फाटक) पर रोड ओवरब्रिज का कार्य तेजी से प्रगति पर है। निर्माण कार्य को गति प्रदान करते हुए आज दिनांक 01 दिसम्बर 2025 को 36-36 मीटर लंबे तीन गर्डरों की सफलतापूर्वक स्थापना की गई। यह कार्य अधिकारियों के नेतृत्व में कर्मचारियों द्वारा पूर्ण सतर्कता, सजगता एवं सुरक्षा मानकों के पूर्ण अनुपालन के साथ 02 घंटे का ट्रैफिक एवं पावर ब्लॉक लेकर संपन्न किया गया। गर्डरों की सफल लांचिंग के साथ इस आरओबी निर्माण में एक महत्वपूर्ण चरण पूरा हो गया है। आरओबी निर्माण के पूर्ण होते ही गुमदा फाटक से होकर गुजरने वाले सड़क उपयोगकर्ताओं एवं वाहनों को सुरक्षित, संरक्षित और निर्बाध आवागमन की सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे क्षेत्र के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी और दुर्घटनाओं की संभावनाएँ भी समाप्त होंगी।

थाना रतनपुर में सरयू पारिण ब्राह्मण सभा के द्वारा प्राथमिक सूचना दर्ज कराया गया

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ सरयू पारिण ब्राह्मण सभा द्वारा ब्राह्मण कन्या के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी पर प्राथमिक सूचना दर्ज ,रतनपुर, छत्तीसगढ़ सरयू पारिण ब्राह्मण सभा द्वारा प्रशासनिक सेवा के अधिकारी व अजाक्स के नवनियुक्त अध्यक्ष संतोष वर्मा द्वारा ब्राह्मण कन्याओं के लिए की गई अपमानजनक टिप्पणी, जब तक कोई ब्राह्मण अपनी बेटी मेरे बेटे को दान में ना दे या उससे संबंध ना बनाएं तब तक आरक्षण का लाभ जारी रहना चाहिए इस अपमानजनक टिप्पणी से पूरा ब्राह्मण समाज आहत है। तथा अपनी बेटियों के खिलाफ की गई इस टिप्पणी से अपने को अपमानित महसूस कर रही है। यह समाज में द्वेष फैलाने व सामाजिक समरसता के विरुद्ध है। आज ब्राह्मण सभा के प्रतिनिधियों ने थाने पहुंचकर उनके खिलाफ प्राथमिकी सूचना (एफआईआर)दर्ज कराई इस कार्य में प्रतिनिधिमंडल अध्यक्ष बलराम पांडे, राजेंद्र मिश्रा, राजेश शर्मा, महंत दिव्याकांत महाराज, ओमप्रकाश दुबे, शिवानंद पांडे ,कृष्णकांत शर्मा, राजेंद्र दुबे, अजय दुबे के अलावा ब्राह्मण सभा के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कोरबा में ब्लू निब प्रोजेक्ट का औपचारिक शुभारंभ....

कोरबा। ब्लू निब पिरामल फाउंडेशन की ओर से सीनियर प्रोग्राम डायरेक्टर संजय जी ने आज कोरबा जिले में ब्लू निब प्रोजेक्ट का औपचारिक शुभारंभ किया। कार्यक्रम में जिले के प्रमुख पत्रकार राजेश कुमार मिश्रा, दिबन्दु, कुश कुमार, प्रतिमा सरकार, संगम दुबे, गणेश राम सूर्यवंशी, भोला केवट और नरेंद्र राठौर उपस्थित रहे। साथ ही, पिरामल फाउंडेशन की टीम से मंशु शुक्ला, ऋचा साहू, नीलू पटेल और पल्लवी पंकज ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अवसर पर संजय जी ने समाधान आधारित पत्रकारिता की आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए प्रोजेक्ट की दृष्टि, कार्यप्रक्रिया और मीडिया सहभागिता योजना साझा की। उन्होंने कहानी निर्माण की पिरामिड संरचना कृ चुनौती, नायक और समाधान कृ का उल्लेख करते हुए कहा कि पत्रकारिता का उद्देश्य केवल समस्याएँ उजागर करना नहीं, बल्कि समाधान की ओर मार्गदर्शन करना भी है। मीडिया प्रतिनिधियों ने संयुक्त फील्ड विजिट और सकारात्मक, समाधान केंद्रित कहानियों के निर्माण में सहयोग देने की इच्छा जताई। संजय जी ने कहा कि कोरबा में ब्लू निब प्रोजेक्ट का शुभारंभ होना मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। उन्होंने जिला टीम और पिरामल फाउंडेशन के समन्वित प्रयासों की सराहना की। ब्लू निब प्रोजेक्ट कोरबा में समाधान आधारित पत्रकारिता की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में उभर रहा है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के कोतरलिया-रायगढ़ सेक्शन के डाउन लाइन पर स्थित ब्रिज संख्या 136 का सफल री-गर्डरिंग कार्य सम्पन्न.....

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के कोतरलिया-रायगढ़ रेलखंड के डाउन लाइन पर किमी 572/24-20 पर स्थित ब्रिज नंबर 136 का री-गर्डरिंग कार्य आज दिनांक 29 नवंबर 2025 को सफलता पूर्वक पूरा किया गया। यह कार्य पुराने गर्डरों के स्थान पर नए गर्डर लगाए जाने तथा उन्हें मजबूत किए जाने की प्रक्रिया है, जिससे पुल की दीर्घकालीन संरक्षा एवं मजबूती सुनिश्चित की जा सके । इस पुल में कुल 03 गर्डर हैं, जिनमें से प्रत्येक का स्पैन 18.3 मीटर है । कार्य को सुचारू रूप से पूरा करने हेतु डाउन लाइन पर 12:15 बजे से 18:15 बजे तक 06:00 घंटे का ट्रैफिक ब्लॉक लिया गया । वहीं अप लाइन पर गर्डरों की आवाजाही के लिए 03:40 घंटे का ब्लॉक (13:40 से 15:25 बजे एवं 15:55 से 17:50 बजे तक) लिया गया। कार्य के निष्पादन हेतु प्रमुख रूप से कई व्यवस्थाएं की गई, जिनमें 300 मीट्रिक टन क्षमता का रोड क्रेन हावड़ा छोर पर लगाया गया, जिसके माध्यम से 02 पुराने गर्डर हटाए गए तथा 02 नए गर्डर स्थापित किए गए। 250 मीट्रिक टन क्षमता का रोड क्रेन बिलासपुर छोर पर तैनात किया गया, जिसके द्वारा 01 पुराना गर्डर हटाया गया एवं 01 नया गर्डर स्थापित किया गया। इसके साथ ही, पुल संख्या 136 डाउन पर संरक्षित एवं सुगम रेल संचालन सुनिश्चित करने हेतु 108 स्टील चैनलों को एच-बीन स्लीपरों से प्रतिस्थापित किया गया। ब्रिज संख्या 136 डाउन लगभग 100 वर्ष पुराना है। इसके गर्डरों के प्रतिस्थापन से पुल की संरचनात्मक क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे इस खंड में रेल संचालन अधिक संरक्षित और विश्वसनीय हो सकेगा । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के इंजीनियरिंग विभाग के ब्रिज सेल ने उत्कृष्ट समन्वय, तकनीकी दक्षता और समयबद्धता का परिचय देते हुए कार्य को निर्धारित ब्लॉक अवधि में सफलतापूर्वक संपन्न किया ।

रेलवे के ब्रजराजनगर यार्ड में क्रॉसओवर लेआउट सुधार कार्य एसपीएन रोलर प्रोसेस से सफलता पूर्वक सम्पन्न.....

■ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में पहली बार क्रॉसओवर सुधार कार्य एसपीएन रोलर प्रोसेस से किया गया

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के ब्रजराजनगर यार्ड में 104 (अप मेन लाइन) और 104क्र (डाउन मेन लाइन) के मध्य स्थित क्रॉसओवर में समय के साथ विकसित हुई अवांछित वक्रता (किंक) ट्रैक ज्योमेट्री को प्रभावित कर रही थी । क्रॉसओवर के वास्तविक लेआउट को इंजीनियरिंग मानकों के अनुरूप पुन: स्थापित करने हेतु आवश्यक सुधार कार्य किया गया । इसके लिए डाउन मेन लाइन पर पॉइंट संख्या 104क्र को 2.33 मीटर बिलासपुर छोर की ओर स्थानांतरित करने का तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण कार्य एसपीएन रोलर्स की सहायता से सम्पन्न किया गया । एसपीएन रोलर प्रोसेस रेलवे इंजीनियरिंग में पूर्ण टर्नआउट को सहायक ट्रैक से उसके अंतिम स्थान तक तेज़ी और सटीकता से स्थानांतरित करने की उन्नत तकनीक है । इस विधि से कम समय में बिना अधिक लाइन ब्लॉक लिए कार्य पूरा हो जाता है, जिससे रेल परिचालन पर प्रभाव डाले बिना दक्ष, संरक्षित और शीघ्र ट्रैक सुधार सुनिश्चित होता है। उल्लेखनीय है कि दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में इस प्रकार का कार्य पहली बार एसपीएन रोलर प्रोसेस से किया गया है, जिससे यह कार्य एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बन गया है । विशेष रूप से यह उल्लेखनीय है कि यह संपूर्ण सुधार कार्य रेल परिचालन को बाधित किए बिना, निर्धारित संरक्षा मानकों का पूर्ण पालन करते हुए सम्पन्न किया गया, जिससे परिचालन निरंतरता और संरक्षा दोनों सुनिश्चित रहीं । दिनांक 29 नवंबर 2025 को 12:05 बजे से 17:05 बजे तक प्राप्त

ट्रैफिक ब्लॉक अवधि में यह कार्य अत्यंत सावधानी एवं दक्षता के साथ सम्पन्न किया गया । कार्य के दौरान 90 श्रमिक, 41 विभागीय कर्मचारी तथा पी.वे. सुपरवाइजर एवं अधिकारी स्थल पर उपस्थित रहे । संयुक्त प्रयासों के फलस्वरूप क्रॉसओवर की लंबाई को 2.33 मीटर बढ़ाकर कुल 95.35 मीटर कर दिया गया तथा पूर्व में विकसित वक्रता (किंक) को पूर्णत: समाप्त कर क्रॉसओवर की वांछित ज्योमेट्री पुनर्स्थापित की गई । सामान्यत: इस प्रकार के क्रॉसओवर सुधार कार्यों में टी-28 मशीनों का उपयोग किया जाता है, लेकिन ब्रजराजनगर में एसपीएन रोलर विधि अपनाई गई, जिसने कम समय में, बिना आस-पास की लाइनों पर अतिरिक्त ब्लॉक की आवश्यकता के, अत्यधिक सटीकता और संरक्षा के साथ कार्य को सम्पन्न किया । टी-28 मशीनों के उपयोग में बीआरएन (मालगाड़ी/ वैगन) पर लोडिंग-अनलोडिंग की आवश्यकता तथा अतिरिक्त लाइन ब्लॉक लेने की बाध्यता होती है, जबकि एसपीएन रोलर विधि इन जटिलताओं से मुक्त रहते हुए अधिक प्रभावी और व्यवहारिक सिद्ध हुई । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में पहली बार अपनाई गई यह तकनीक भविष्य में ऐसे कार्यों के लिए एक सशक्त विकल्प के रूप में उभरकर सामने आई है । इंजीनियरिंग, सिग्नल एवं दूरसंचार तथा टीआरडी विभागों के तकनीकी ज्ञान, उत्कृष्ट समन्वय एवं सक्रिय भागीदारी के परिणामस्वरूप यह कार्य निर्धारित समयावधि के भीतर सफलतापूर्वक पूरा किया गया ।

बांकीमोगरा पुलिस ने कसा कबाड़ गिरोह पर शिकंजा..

कोरबा। जिले के बांकीमोगरा थाना क्षेत्र अंतर्गत पुलिस ने अर्ध रात्रि एक बड़ी कार्यवाही करते हुए रेलवे संपत्ति चोरी करने वाले सक्रिय कबाड़ गिरोह का खुलासा किया है। बताया जा रहा हैं की पुलिस को एक संदिग्ध वाहन के आवाजाही की सूचना मिली थी, जिसके आधार पर तत्काल घेराबंदी की गई। कार्रवाई के दौरान उक्त संदिग्ध पिकअप वाहन को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान पुलिस टीम हतप्रभ रह गई। वाहन में रेलवे ट्रैक के कई बड़े-बड़े टुकड़े, गैस कटर, सिलेंडर और कटिंग उपकरण बरामद हुए।

प्राथमिक जांच में सामने आया है कि यह गिरोह सुनसान इलाकों में रेलवे लाइन को काटकर कबाड़ी बाजार में मोटी कीमत पर बेचने की फिराक में था। सबसे बड़ा सवाल यह खड़ा होता है कि रेलवे ट्रैक तक काट डाले गए और रेलवे विभाग को इसकी भनक तक नहीं लगी। यह घटना सुरक्षा व्यवस्था और रेलवे की निगरानी प्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती है। रेलवे ट्रैक काटने जैसी कार्यवाही न केवल सरकारी संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचाती है, बल्कि यात्रियों की जान के लिए भी बड़ा खतरा बन सकती है। पुलिस ने मौके से मिले आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। शुरुआती जानकारी के आधार पर आशंका जताई जा रही है कि इस अवैध कारोबार में कई और लोग भी शामिल हो सकते हैं।

हिंदू धर्म में प्रदोष व्रत का विशेष महत्व

हिंदू धर्म में प्रदोष व्रत का विशेष महत्व माना जाता है। यह व्रत भगवान शिव की कृपा प्राप्त करने के लिए रखा जाता है। हर महीने शुक्ल और कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि पर प्रदोष व्रत रखा जाता है, लेकिन जब यह तिथि मंगलवार के दिन पड़ती है, तो इसे भौम प्रदोष व्रत कहा जाता है। भौम यानी मंगलवार और इस दिन किया गया शिव-पूजन विशेष फलदायी माना जाता है। 2025 में मार्गशीर्ष महीने के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि को लेकर लोगों में यह भ्रम था कि व्रत 2 दिसंबर को रखा जाए या 3 दिसंबर को। आइए जानते हैं।

कब है भौम प्रदोष व्रत?

हिंदू पंचांग के अनुसार, मार्गशीर्ष मास की शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि का समय इस प्रकार है।

त्रयोदशी तिथि का प्रारंभः

2 दिसंबर 2025 (मंगलवार) को दोपहर 3 बजकर 57 मिनट पर।

त्रयोदशी तिथि का समापनः

3 दिसंबर 2025 (बुधवार) को दोपहर 12 बजकर 25 मिनट पर। प्रदोष व्रत की पूजा हमेशा प्रदोष काल में की जाती है। प्रदोष काल सूर्यास्त के बाद और रात्रि से पहले का समय होता है। चूंकि त्रयोदशी तिथि 2 दिसंबर की शाम को प्रदोष काल में व्याप्त रहेगी, इसलिए भौम प्रदोष व्रत 2 दिसंबर 2025 (मंगलवार) को ही रखा जाएगा।

भौम प्रदोष व्रत की पूजा विधि

सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र पहनें। व्रत का संकल्प लें। पूजा के लिए बेलपत्र, धतूरा, आक के फूल, अक्षत, धूप, दीप, गंगाजल, और मिष्ठान तैयार रखें। प्रदोष काल यानी शाम के समय फिर स्नान करें या हाथ-पैर धोकर शुद्ध हो जाएं। एक चौकी पर भगवान शिव, माता पार्वती और गणेश जी की प्रतिमा स्थापित करें। सबसे पहले शिवलिंग का गंगाजल और कच्चे दूध से अभिषेक करें। शिवलिंग पर बेलपत्र, फूल, भांग, धतूरा आदि अर्पित करें। इसके बाद 'ॐ नमः शिवाय' मंत्र का जाप करें। प्रदोष व्रत की कथा पढ़ें या सुनें। आखिर में भगवान शिव की आरती करें और सभी में प्रसाद वितरित करें।

भौम प्रदोष व्रत का महत्व

जब प्रदोष व्रत मंगलवार के दिन पड़ता है, तो इसे भौम प्रदोष कहा जाता है। 'भौम' शब्द मंगल ग्रह से संबंधित है। मान्यता है कि यह व्रत रखने और भगवान शिव की पूजा करने से भक्तों को रोगों से मुक्ति मिलती है और स्वास्थ्य लाभ होता है ।यह व्रत विशेष रूप से कर्ज मुक्ति के लिए उत्तम माना जाता है। जिन लोगों की कुंडली में मंगल दोष होता है।

अब खुद कीजिए नाखूनों पर कलाकारी

नेलपॉलिश हाथों की खूबसूरती बढ़ाने में मदद करते हैं, लेकिन अब केवल नेलपॉलिश से काम नहीं चलता। नाखूनों पर नेल ऑर्ट स्टाइलिश और ट्रेंडी दोनों दिखती है, लेकिन इसके लिए महंगे नेल आर्टिस्ट के पास जाने या महंगे इक्विपमेंट खरीदने की जरूरत नही है। बस नेलपॉलिश के साथ घर में रखी इन चीजों की मदद से सुंदर नेल आर्ट बनाने में मदद मिलेगी। तो चलिए जानें कैसे घर में रखी चीजों से नेल आर्ट बनाएं।

1. मेकअप ब्लेंडर से नेल आर्ट बनाने के लिए सबसे पहले नाखूनों पर नेल पेंट लगा लें। अब नेल पेंट से कलर कॉम्बीनेशन वाली दूसरी नेल पेंट को ब्लेंडर की टिप पर लगाकर नाखूनों पर टैप करते हुए छोटे गोले बनाएं। अलग-अलग रंग की नेल पेंट से कलरफुल नेल आर्ट भी बना सकती हैं।

2. ईयरबड्स का इस्तेमाल भी आप नेल आर्ट बनाने के लिए कर सकती हैं। नाखूनों पर नेल पेंट लगाएं। अब ईयरबड्स पर किसी दूसरे रंग की नेल पेंट लगाकर नाखूनों पर टेढ़ी-मेढ़ी लाइन बना लें। इससे आपके नाखून काफी सुंदर लगने लगेंगे।

3. टूथपिक का इस्तेमाल भी आप नेल आर्ट बनाने के लिए कर सकती हैं। पहले आधे नाखूनों में नेल पेंट लगाएं। अब स्माइली बनाने के लिए टूथपिक के पिछले हिस्से को दूसरे रंग की नेल पॉलिश में डुबोकर नाखूनों पर दो डॉट बनाएं और टूथपिक के अगले हिस्से से डॉट के नीचे स्माइली बना लें।

4. हेयर पिन से नेल आर्ट बनाने के लिए सबसे पहले नाखूनों पर नेल पेंट लगा लें। अब जिग-जैग वाली हेयर पिन पर दूसरे कलर की नेल पेंट लगाकर किसी भी पैटर्न में नाखूनों पर लगाएं। इससे आपकी नेल आर्ट काफी प्रोफेशनल लगने लगेगी।

5. पेन की रिफिल से नेल आर्ट बनाने के लिए नाखूनों पर ब्लैक या किसी अन्य कलर की नेल पेंट लगाएं। अब सफेद या किसी कॉम्बीनेशन कलर वाली नेलपेंट को रिफिल के कोने पर लगाकर नाखूनों पर अपनी मनपसंद डिजाइन बना लें। डिजाइन आसानी से बन जाएंगे।

स्किन को सही तरीके से करें हाईड्रेट

कड़ाके की सर्दी स्किन का हाल बुरा कर देती है। जिसके कई सारे कारण होते हैं। एक तो ठंडी हवाओं में नमी नहीं होती। दूसरे गर्म पानी से नहाना और फिर शरीर को गर्म करने के लिए हीटर या आग तापना। ये सारी चीजें मिलकर स्किन को बिल्कुल रूखा और बेजान बना देती है। नतीजा स्किन में कई बार खुजली होने लगती है। ऐसे में जरूरी है कि स्किन को सही तरीके से हाईड्रेट किया जाए और तब मॉइश्चराइजर लगाया जाए।

बार-बार लगाना पड़ेगा मॉइश्चराइजर

स्किन जब ज्यादा रूखी रहती है,तो इस पर कुछ देर के बाद ही मॉइश्चराइजर का असर खत्म होने लगता है। ऐसे में हर 4-5 घंटे के अंतराल पर मॉइश्चराइजर लगा लें। इससे स्किन में नमी बनी रहेगी।

पेट्रोलियम जेली बेस्ड मॉइश्चराइजर

स्किन बिल्कुल रूखी और बेजान हो गई है,तो उस पर नॉर्मल मॉइश्चराइजर की बजाय पेट्रोलियम जेली जैसे वैसलीन ज्यादा तेजी से असर दिखाती है।

बेबी ऑयल भी करेगा मदद

अगर आपका मॉइश्चराइजर स्किन पर असर नहीं दिखा रहा है तो बेबी ऑयल को स्किन पर लगाएं। इसमे ज्यादा नरिश्मेंट होती है और ये स्किन पर ज्यादा देर तक टिका रहेगा। हमेशा ऑयल बेस्ड मॉइश्चराइजर को ही ठंड के लिए चुनें।

मॉइश्चराइजर लगाने का तरीका

ठंड में नमी की कमी होती है। जब आप गर्म पानी से नहाते हैं तो कुछ ही देर बाद शरीर का पानी सूख जाता है। ऐसे में मॉइश्चराइजर लगाने पर वो स्किन को अंदर तक मॉइश्चराइज नहीं करता केवल स्किन पर मौजूद पानी को लॉक कर देता है। अगर शरीर बिल्कुल सूखा है तो मॉइश्चराइजर का असर बहुत कम होगा। इसलिए हमेशा हल्की गीली स्किन पर ही मॉइश्चराइजर लगा लें। इससे स्किन पर मौजूद पानी को वो लॉक कर लेगा और स्किन ज्यादा देर तक नमी वाली बनी रहेगी और ड्राइनेस, खुजली परेशान नहीं करेगी। डेली रूटीन में मॉइश्चराइजर लगाने के अलावा शहद और दही जैसे नेचुरल मॉइश्चर देने वाली चीजों को भी टाइम-टाइम पर लगाते रहें।

सर्दियों का जादू हर्बल टी

सर्दियों में तमाम तरह की हर्बल टी बनाकर पिएं और इनसे मिलने वाले फायदे उठाएं। ये खासकर इस मौसम के लिए हैं जो हेल्थ के लिए बहुत अच्छी मानी जाती हैं। जानते हैं ईजी रेसिपी। एंड कोल्ड में आराम देता है। किसी से वेट लॉस होता है तो किसी के पीने से पेट साफ होता है। जानते हैं ऐसी ही कुछ हर्बल टी की रेसिपी जो हमारे किचन में ही आसानी से मिलने वाले सामान से बन जाती हैं।

लेमनग्रास एंड जिंजर टी

इसके लिए थोड़ी सी लेमनग्रास ले लें और अदरक को कूटकर उसे पानी में डालकर दोनों को साथ उबालें। इसमें लौंग भी डालें और थोड़ी देर उबालने के बाद छानकर पिएं। अगर टेस्ट बिटर लगे,तो हल्का सा गुड़ डाल लें। ये सर्दियों में गले में बहुत आराम देती है और पेट के लिए भी बेहतरीन होती है।

हनी, लेमन एंड टरमरिक टी

ये चाय सर्दियों का अमृत कही जाती है। इसे बनाने के लिए थोड़ी सी काली मिर्च कूटकर और एक कच्ची हल्दी की गांठ छोटे टुकड़े करके पानी में उबालें। कच्ची हल्दी गर्म होती है। इसलिए मात्रा कम ही लें। थोड़ी देर बाद इसे छान लें और ऊपर से लेमन और हनी मिक्स करके पिएं। ये सर्दी में रामबाण का काम करती हैं।

तुलसी टी

तुलसी टी के जितने फायदे कहे जाएं कम हैं। इसे तो चाय के तौर पर अपनी रेग्यूलर चाय में मिक्स करके या पानी में उबालकर कैसे भी ले सकते हैं। ये इम्यूनिटी तो बढ़ाती ही है साथ ही स्किन के लिए भी बहुत अच्छी होती है। इसकी चाय बनने के लिए एक बाउल में तुलसी की पत्तियां उबालें और छानने के बाद ऊपर से एक चम्मच हनी और नींबू का रस मिलाकर पिएं।

मिंट टी, सिनेमन टी

सिनेमन इतना गर्म होता है कि इसे सर्दी में लेना ही ठीक है। इसके लिए सिनेमन को पानी में उबालें और काली मिर्च भी कूटकर डालें। इसे नीचे उतारकर गुड़ मिलाएं और पी लें। ये वेट लॉस में बहुत फायदा करती है।

फर्श पर सोने के फायदे

आजकल की लाइफस्टाइल काफी ज्यादा मॉर्डन और फास्ट है। लोगों को मुलायम गद्दों पर सोना काफी ज्यादा पसंद होता है। ज्यादातर लोग बेड पर मोटे से मोटा गद्दा का इस्तेमाल करते हैं। जमीन पर सोना तो अब पुराने ख्याल वाले लोगों की बात हो गई है। आजकल लोग अपने बेड से किसी भी तरह का समझौता करने को तैयार नहीं है। ऑफिस की थकावट के बाद एक व्यक्ति को लगता है कि कैसे भी अपने घर पहुंचकर चैन की नींद ले। कुछ लोग ऐसे भी हैं,जो इतने ज्यादा आराम के बावजूद काफी ज्यादा पीठ और कमर के दर्द से परेशान रहते हैं।

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि अगर आपके भी शरीर में छोटी-मोटी किसी भी तरह का दर्द है,तो आप जमीन पर सोना शुरू कर दें। आपको हफ्ते के अंदर इससे इतना ज्यादा फायदा मिलेगा जो आप विश्वास भी नहीं कर पाएंगे। भले ही शुरुआत में आपको सोने में बिल्कुल भी आराम नहीं मिलेगा,लेकिन बाद में इसके कई सारे फायदे मिलेंगे। सबसे पहले एक पतली सी चटाई या कारपेट लें। अगर आपको असुविधा हो रही है,तो चटाई पर कोई पतला सा गद्दा बिछा लें। इससे हड्डियों का अलाइनमेंट ठीक रहता है। अगर आपको काफी ज्यादा पीठ में दर्द होता है,तो जमीन पर सोते वक्त पीठ के बल ही सोएं। इससे रीढ़ की हड्डी को काफी ज्यादा आराम मिलेगा। जमीन पर जब आप सोने की आदत बनाते हैं,तो पतले तकिए का ही इस्तेमाल करें । इससे आपकी आदत भी बनेगी और बिना तकिया सोने से सांस लेने की परेशानी भी दूर रहेगी। जमीन पर सोने के लिए मुलायम गद्दे का इस्तेमाल न करें,क्योंकि इससे आपके शरीर में दर्द शुरू हो जाएगी।

रीढ़ की हड्डी रहेगी एकदम ठीक

जमीन पर सोने से रीढ़ की हड्डी में दर्द और अकड़न कम होती है। जब आप गद्देदार गद्दे पर सोते हैं,तो रीढ़ की हड्डी अकड़ जाती है। जिसका सीधा असर दिमाग पर पड़ता है। रीढ़ की हड्डी सेंट्रल नर्वस सिस्टम से जुड़ा हुआ रहता है। इसका सीधा कनेक्शन ब्रेन से जुड़ा हुआ है।

मांसपेशियों को मिलता आराम

जमीन पर सोने से कंधे और कूल्हे में होने वाले दर्द से बहुत आराम मिलता है। इससे पीठ दर्द, कंधा और गर्दन की दर्द में राहत मिलती है।

पीठ दर्द में राहत

जो लोग जमीन पर सोते हैं उनका पोश्चर ठीक रहता है और कमर दर्द भी कम हो जाती है।

शरीर का टेंपरेचर होता है कम

जमीन पर सोने से शरीर का टेंपरेचर हो जाता है कम। वहीं बेड पर सोने से शरीर की गर्मी बढ़ जाती है। जिससे बॉडी का टेंपरेचर बढ़ने लगता है।

ब्लड सर्कुलेशन रहता है ठीक

जमीन पर सोने से ब्लड प्रेशर ठीक रहता है। जिसके कारण मांसपेशियों को आराम मिलता है और तनाव कम हो जाता है।

पार्टनर के साथ बॉन्ड स्ट्रांग बनाने के टिप्स

जीवन में सफलता हासिल करने के लिए ही नहीं बल्कि अपने कमजोर होते हुए रिश्तों को मजबूत बनाए रखने के लिए भी व्यक्ति का खुद पर आत्मविश्वास होना बेहद जरूरी होता है। एक मजबूत आत्मविश्वास वाला व्यक्ति ना सिर्फ पार्टनर के साथ अपना बॉन्ड मजबूत बनाए रखता है,बल्कि उसके साथ अपनी खुशियों का भी पूरा ध्यान रखता है। रिश्ते को भी मजबूत बनाना चाहते हैं,तो पार्टनर के साथ मिलकर फॉलो करें आत्मविश्वास बढ़ाने वाले टिप्स..

अपनी खूबियों को एक दूसरे के साथ शेयर करें-
अपने आत्मविश्वास को बढ़ाने का सबसे पहला तरीका है, आप खुद अपनी शक्तियों को पहचानकर उनकी सराहना करें। इसके लिए आप अपने पार्टनर के साथ अपनी-अपनी खूबियों की एक लिस्ट बनाकर एक दूसरे के साथ शेयर करें। इस उपाय को आजमाने से आप दोनों को अपने भीतर छिपी खूबियों और क्षमता को पहचानने में मदद मिल सकती है। ऐसा करते हुए आप दोनों एक दूसरे का आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए उसे कोई अच्छा कॉम्प्लीमेंट भी दे सकते हैं।

एक दूसरे के लक्ष्यों को हासिल करने में करें मदद-
अपने साथ अपने पार्टनर का भी आत्मविश्वास बनाए रखने के लिए हमेशा एक दूसरे के लक्ष्यों का ध्यान रखें। इतना ही नहीं उन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए एक दूसरे का पूरा सहयोग भी करें। इसके लिए आप दोनों अपने-अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक लक्ष्यों को एक दूसरे के साथ जरूर शेयर करें। अपने रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए एक-दूसरे की प्रगति का जश्न साथ में मनाएं।

हर दिन कुछ नया करने की कोशिश करें-
आत्मविश्वास को बढ़ाने का एक और तरीका है अपने साथी के साथ मिलकर कुछ नया करने की कोशिश करें। इसमें आप अपनी किसी हॉबी,कुकिंग, ट्रैवलिंग, जैसी चीजों को शामिल कर सकते हैं। ऐसा करने से आपको ना सिर्फ कुछ नया सीखने को मिलेगा,बल्कि व्यक्तिगत विकास के साथ अपने डर और शंका को दूर करने का मौका भी मिलेगा।

बच्चों के मनोभावों को समझना आसान नहीं

कॉम्प्लेक्स इमोशंस

आजकल बच्चे कई तरह के इंमोशंस से गुजरते हैं । हमारी पीढ़ी के लोगों की तुलना में आज के बच्चों का जीवन ज्यादा जटिल है। ऐसे में पेरेंट को उनकी भावनाओं को समझने का प्रयास करना चाहिए। अपने समय से बार-बार तुलना करने से कोई फायदा नहीं होगा। उन्हें अपने मन की बातों को शेयर करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

आजादी

आजकल बच्चे आजादी चाहते हैं। पेरेंट के लिए उन्हें दी जाने वाली आजादी और उनके लिए सीमा तय करने के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं होता है। अगर आप बच्चों को कुछ करने से रोकना चाहते हैं तो उसका कारण अच्छी तरह से बताना जरूरी है। बच्चों को ऐसा महसूस न कराएं कि आप उनके हर काम और व्यवहार पर नजर रख रहे हैं।

हर बच्चा अलग

हर बच्चा अपने आप में अलग व्यक्तित्व और स्वभाव को होता है। सबसे पहले उसे उसके उसी अंदाज के साथ स्वीकार करें। उन्हें किसी और की तरह दिखने या काम करने के लिए कहने से बचना जरूरी है। अधिकतर पेरेंट अपने बच्चे की यूनिकनेस को इग्नोर कर उसे किसी और की तरह देखना चाहते हैं, ऐसा करना आपके बच्चे को आपसे दूर कर सकता है।

उन्हें भी होता है स्ट्रेस

आजकल बच्चों में स्ट्रेस और एंग्जायटी कॉमन है। अधिकतर पेरेंट बच्चों में शुरु हो चुकी इन परेशानियों को इग्नोर कर देते हैं। बेहतर होगा कि इस बारे में बच्चों से बात करें।

पत्तेदार हरी सब्जी धोने का सही तरीका

हरी सब्जी में ढेर सारे न्यूट्रिशन होते हैं। इसलिए पत्तेदार सब्जियों को डाइट में खासतौर पर शामिल करने की सलाह दी जाती है। पालक, मेथी, बथुआ, सरसों के पत्तों को सर्दियों में हर घर में खाया जाता है, लेकिन इसे पकाने से पहले तैयारी में काफी वक्त लगता है। सबसे ज्यादा समय इन पत्तेदार सब्जियों की सफाई के लिए जरूरी होता है। अगर इन पत्तेदार सब्जियों को आप जल्दीबाजी में धोकर पका देती हैं। तो जान लें इसे धोने का सही तरीका। जिससे कि ना केवल इसके सारे जरूरी न्यूट्रिश मौजूद रहें बल्कि इसमे मौजूद बैक्टीरिया और पेस्टिसाइड शरीर में ना जाए।

पत्तेदार सब्जियों के जड़ और तने को अलग कर दें

पत्तेदार सब्जियों को मार्केट से लाने के बाद जड़ और तने से अलग कर दें। जिससे आप पत्तियों को आसानी से धो पाएंगी और बेकार की गंदगी पहले ही अलग हो जाएगी।

ठंडे पानी से धोएं

सारी पत्तियों को अलग-अलग करके ठंडे पानी से धोएं। पानी में एक-एक पत्तियों को रगड़कर साफ कर लें। जिससे इन पर जमी मिट्टी हट जाए। हरे साग को धोने के लिए गर्म पानी का इस्तेमाल ना करें। इससे पत्तियां खराब हो जाएंगी।

फिटकरी या विनेगर में भिगोएं

हरे पत्तेदार सब्जियों को कुछ देर पानी और फिटकरी के सॉल्यूशन में भिगो दें। या फिर पानी और विनेगर के सॉल्यूशन में भिगोएं। इससे पत्तियों पर जमे पेस्टिसाइड आसानी से साफ हो जाएंगे।

अच्छी तरह से पानी सुखा दें

पत्तियों को धोने के पाद पानी को अच्छी तरह से सुखा दें। जिससे साग खराब ना हो और सारे पत्तों के पानी सूख जाएं। इस काम के लिए पेपर टॉवेल का इस्तेमाल कर सकते हैं। फिर पेपर टॉवेल में ही पत्तों को लपेट कर रख दें।

पत्तेदार सब्जियों को ऐसे करें स्टोर

हरी पत्तेदार सब्जियों की फ्रेशनेस बरकरार रहे इसके लिए उन्हें साफ और सुखाकर किसी प्लास्टिक बैग में रखें। जिसमें हवा जाती रहे और ये फ्रेस बने रहें या फिर पेपर टॉवेल में लपेटकर रखें।

गुड़ की रोटी खाने के फायदे

इम्यूनिटी होगी बूस्ट

सर्दियों में इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए गुड़ खाएं। अगर रोटी के साथ गुड़ खाते हैं,तो इससे बॉडी को कई बीमारियों और कई तरह के खराब बैक्टीरिया से बचाने में मदद मिलती है। नियमित तौर पर इसे खाने से इम्यूनिटी बूस्ट होती है।

कब्ज की समस्या होगी दूर

गुड़ में मौजूद पोषक तत्व कब्ज को दूर करने और पाचन तंत्र में सुधार करने में मदद करते हैं। ये आंत को हेल्दी रखने में भी मदद करता है। अगर आपको कब्ज और दूसरी पाचन संबंधी समस्या है,तो छुटकारा पाने के लिए गुड़ की रोटी खाएं।

स्किन के लिए भी फायदेमंद

गुड़ की रोटी खाने से स्किन भी चमकदार रहती है। दरअसल,इसे खाने से शरीर में मौजूद टॉक्सिन्स खत्म होते हैं, जो आपकी स्किन से संबंधित सभी समस्याएं को दूर करते हैं।

शुगर लेवर रहेगा कंट्रोल

ब्लड शुगर कंट्रोल करने में ये मददगार साबित हो सकता है। इसके अलावा यह आपकी हड्डियों को मजबूत कर सकता है। हालांकि, अच्छे रिजल्ट के लिए इसे नियमित तौर पर खाना होगा।

कैसे बनती है गुड की रोटी

गुड की रोटी बनाने के लिए आटे में पाउडर गुड़, घी और तिल को अच्छे से मिला लें। फिर इसका आटा गूंथ लें। अब इसे रोजाना की रोटी की तरह बेलकर सेंक लें। रोटी पर घी लगाएं और गर्मा-गरम खाएं।

संक्षिप्त समाचार

खुद को सीबीआई अधिकारी व जज बताकर करोड़ों की ठगी,चार गिरफ्तार

रायपुर। राजनांदगांव पुलिस ने चार ऐसे ठगों को गिरफ्तार किया है जो खुद को सीबीआई अधिकारी व जज बताकर मनी लॉन्ड्रिंग केश में फंसाने की धमकी देकर डिजिटल अरेस्ट कर ठगी करते थे। आरोपियों ने बुजुर्ग महिला और व्यापारी से 2 करोड़ की ठगी की थी। मिली जानकारी के अनुसार पहले मामले में थाना सिटी कोतवाली का है जहां एक बुजुर्ग महिल ने शिकायत दर्ज कराई थी। साइबर फ्रॉड द्वारा फर्जी सीबीआई अधिकारी व जज बनकर बुजुर्ग महिला को मनी लॉन्ड्रिग केश में संलिप्त होने का भय दिखाकर डिजिटल अरेस्ट कर 79 लाख 69 हजार 47 रूपये की ठगी की गई थी। दूसरे मामले में शेयर टेड्रिंग के मामलों में साइबर अपराधियों द्वारा युवा व्यापारी को फर्जी वेबसाइट लिंक भेजकर ज्यादा मुनाफा दिलाने के नाम पर 1 करोड़ 21 लाख 53 हजार 590 रूपये की ठगी की गई थी। मामलों की शिकायत के बाद सायबर सेल राजनांदगांव एवं थाना कोतवाली द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुये 4 आरोपियों को गुरूग्राम हरियाणा, मध्यप्रदेश सिहोर व इंदौर से गिरफ्तार किया गया। दोनों प्रकरणों में आरोपियों के कब्जे से बैंक पासबुक, एटीएम कार्ड, चेक बुक, आधार, पैन कार्ड एवं 05 नग मोबाइल फोन जब्त किया गया। मामले में पुलिस ने राधे श्याम पिता धनाराम उम्र 20 वर्ष निवासी कुश्लावा जिला जोधपुर (राजस्थान), धीरज सिंग पिता गुलाब सिंग उम्र 34 वर्ष, निवासी अंजनी नगर, काजीखेड़ी थाना पार्वती (म.प्र.),अरविन्द्र ठाकुर पिता मनोज सिंह ठाकुर उम्र 30 वर्ष निवासी मुकाती कॉलोनी बैंग ऑ बड़ोदा के पास कनौद रोड़ आष्टा जिला सिहौर थाना आस्ठा तथा डिम्पल सिंह यादव पिता रणबिर सिंह उम्र 22 वर्ष निवासी भिण्डावास जिला झज्जर थाना छुछकवास को गिरफ्तार किया है।

महिला स्व-सहायता समूह की मेहनत रंग लाई, मछली पालन और सिंघाड़ा खेती से बढ़ी आमदनी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में स्व-सहायता समूह उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के सहयोग से गौरेला पेंड्रा मरवाही जिला के जनपद पंचायत पेंड्रा के ग्राम कोटमीकला की गोडवाना महिला स्व-सहायता समूह की महिलाएं मछली पालन और सिंघाड़ा की खेती के माध्यम से आय का मजबूत स्रोत विकसित कर 'लखपति दीदी' बनने की ओर अग्रसर हैं। समूह ने आजीविका गतिविधि के रूप में पिछले वर्ष ग्राम पंचायत से 5 हजार रुपए वार्षिक ठेके पर तालाब लिया था। केवल 2 हजार रुपए के मछली बीज का उपयोग कर महिलाओं ने एक ही सीजन में 18 हजार रुपए से अधिक की मछली बेचकर आर्थिक लाभ प्राप्त किया। इसके बाद महिलाओं ने इसी तालाब में सिंघाड़ा की खेती शुरू की, जिसने उनकी आय में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की है। अब तक महिलाएं 15 से 20 हजार रुपए मूल्य का सिंघाड़ा बेच चुकी हैं, जबकि लगभग 70 से 80 हजार रुपए का सिंघाड़ा वर्तमान में तैयार है और इसे लगातार निकालकर बेचा जा रहा है। समूह की सदस्य श्रीमती चमेली बाई ने बताया कि महिलाएं अपने खाली समय में अगरबत्ती निर्माण भी करती हैं और स्थानीय हाट-बाजारों एवं दुकानों में आपूर्ति कर अतिरिक्त आमदनी अर्जित कर रही हैं। ग्राम कोटमीकला में बिहान के तहत स्थापित आजीविका सेवा केंद्र से कृषि, पशुपालन और अन्य आय-वर्धक गतिविधियों के लिए समूह की महिलाओं को निरंतर सहयोग और मार्गदर्शन मिल रहा है। मेहनत, सामूहिक प्रयास और मिशन के सहयोग से महिलाएं आर्थिक आत्मनिर्भरता का नया अध्याय लिख रही हैं।

प्रशासन की सख्त मॉनिटरिंग से धान खरीदी निर्बाध गति से जारी

रायपुर। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में धमतरी जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी कार्य पूरी पारदर्शिता, व्यवस्थित प्रबंधन और सतत् निगरानी के साथ सुचारू रूप से जारी है। जिले की 74 प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों एवं आदिम जाति सेवा सहकारी समितियों के अंतर्गत संचालित कुल 100 धान उपार्जन केन्द्रों में 1,27,851 किसानों का 1,19,541.09 हेक्टेयर रकबा पंजीकृत किया गया है। इसमें 76,046 सीमांत, 49,493 लघु एवं 2,312 दीर्घ किसान शामिल हैं। खरीदी में तेजी, किसानों को त्वरित भुगतान दिनांक 15 नवंबर से 28 नवंबर 2025 तक 17,580 किसानों से 81,704.52 मे.टन धान की खरीदी की जा चुकी है। खरीदे गए धान का कुल मूल्य 193.86 करोड़ रुपए है, जिसका भुगतान किसानों को प्रतिदिन नियमित रूप से किया जा रहा है। उत्कृष्ट प्रबंधन—100 केन्द्रों पर नोडल अधिकारी नियुक्त धान खरीदी व्यवस्था को बेहतर बनाने हेतु प्रत्येक उपार्जन केन्द्र पर जिला स्तरीय नोडल अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। ये अधिकारी प्रतिसप्ताह स्थल निरीक्षण कर खरीदी की व्यवस्था, पारदर्शिता और सुगमता सुनिश्चित कर रहे हैं। अवैध भंडारण और परिवहन पर सख्त कार्रवाई कोचियों /बिचौलियों द्वारा धान के अवैध भंडारण एवं परिवहन की रोकथाम हेतु जिले में राजस्व, कृषि, खाद्य, सहकारिता एवं मंडी विभाग के अधिकारियों का उड़नदस्ता दल गठित किया गया है।

कोडकॉन' के तृतीय वार्षिक सम्मेलन में शामिल हुए राज्यपाल

खानपान और जीवनशैली में प्रकृति के विरुद्ध जाने से बचें-राज्यपाल

रायपुर/ संवाददाता

राज्यपाल श्री रमेन डेका ने कहा है कि स्वस्थ रहने के लिए हमें प्रकृति के नियमों का ध्यान रखा जाना चाहिए। हमारा खान-पान और जीवन शैली प्रकृति के अनुरूप होने से हम बहुत सी बीमारियों से बच सकते हैं। राज्यपाल श्री रमेन डेका कल रायुपर के एक निजी होटल में आयोजित छत्तीसगढ़ ओबिसिटीज़, डायबिटिज एंड इंडोक्राइन (मोटापा, मधुमेह, अंत:स्त्रावी) सोसाइटी (कोड) के तृतीय वार्षिक सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि आज डायबिटीज़, मोटापा और हार्मोन संबंधी बीमारियां न केवल भारत में बल्कि पूरे विश्व में भी एक गंभीर स्वास्थ्य चुनौती बनकर उभर रही है। भारत को दुनिया का डायबिटीज कैपिटल कहा जाने लगा है, छत्तीसगढ़ की स्थिति भी चिंता बढ़ाती है। राज्य में 15 से 19 आयु समूह में लगभग 9 से 10 प्रतिशत वयस्कों में ब्लड शुगर का स्तर सामान्य से अधिक पाया गया है

और शहरी क्षेत्रों में यह प्रतिशत और तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि डायबिटीज, मोटापा और मानसिक बीमारी ये सब हमारी सिविलाइजेशन से पैदा हुई समस्या है। दरअसल, जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण प्रदूषण- विशेषकर माइक्रो प्लास्टिक का उपयोग हमारी सेहत पर विपरीत असर डालने वाली एक बड़ी चुनौती है। श्री डेका ने कहा कि आज हम जीवन शैली और व्यवहार में पश्चिमी शैली का अनुसरण कर रहे हैं। राज्यपाल ने 600 ईसा पूर्व रचित प्राचीन ग्रंथ चरक संहिता का उल्लेख करके हुए कहा कि उस समय भी भोजन की गुणवत्ता और प्रकृति को चयापचय संबंधी रोगों का मूल माना गया था। राज्यपाल ने कहा कि हमारे ॠषि पहले ही चेतावनी दे चुके थे कि अनुचित आहार ही शरीर के संतुलन को बिगाड़कर रोगों की जड़ बनता है। आज विज्ञान भी यही सिद्ध कर रहा है। आज जो मोटापे की समस्या तेजी से बढ़ रही है, वह जंक फूड के कारण है। राज्यपाल ने चिकित्सकों की सामाजिक और नैतिक भूमिका पर विशेष बल देते हुए कहा कि चिकित्सक अपने सफेद एप्रॉन को दाग से मुक्त रखें।राज्यपाल ने चिकित्सकों को समाज का मार्गदर्शक बताया। राज्यपाल ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराने में निजी चिकित्सक और चिकित्सा संस्थान जो योगदान दे रहे हैं, वह सराहनीय है। उन्होंने चिकित्सकों से आह्वान किया कि छत्तीसगढ़ में सिकलसेल के प्रति जनजागरूकता लाने और टीबी के उन्मूलन में योगदान दें। कार्यक्रम में प्रो. एसएन मिश्रा को लाइफ टाइम एचीवमेंट अवार्ड प्रदान किया गया, साथ ही क्विज प्रतियोगिता के विजेता छात्रों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. प्रदीप पात्रा उपस्थित थे। कार्यक्रम के प्रारंभ में आयोजन समिति की प्रमुख डॉ. कल्पना दास, डॉ. संजीत जायसवाल एवं अन्य सदस्यों ने अतिथियों का स्वागत किया। कोडकॉन सम्मेलन में देशभर के एंडोक्राइनोलॉजिस्ट, चिकित्सक और स्वास्थ्य विशेषज्ञ शामिल हुए।

युवती से दुष्कर्म मामले मे फरार आरोपी भोलेश्वर गिरफ्तार

रायपुर। संवाददाता

युवती से दुष्कर्म प्रकरण में फरार चल रहे आरोपी को लैलूंगा पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। एसपी दिव्यांग पटेल के निर्देश, एडिशनल एसपी आकाश मरकाम तथा एसडीओपी धरमजयगढ़ सिद्धांत तिवारी के मार्गदर्शन में पुलिस ने बीते रात यह महत्वपूर्ण सफलता हासिल की।गिरफ्तार आरोपी की पहचान ग्राम टटकेला निवासी भोलेश्वर सिदार उर्फ भोले (21 वर्ष) के रूप में हुई है, जो घटना के बाद से लगातार पुलिस की पकड़ से दूर भागता फिर रहा था। मामला 7 नवंबर का है, जब पीड़ित युवती ने थाना लैलूंगा में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। स्नढ्डक्र के अनुसार, युवती ने मुख्य आरोपी अजय अगरिया पर दुष्कर्म का गंभीर आरोप लगाया था।वहीं उसके तीन साथियों- किशन सिदार, महेश राम सिदार और भोलेश्वर सिदार पर अपराध में सहयोग करने का आरोप लगाया गया था। रिपोर्ट मिलते ही लैलूंगा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अगले ही दिन मुख्य आरोपी अजय अगरिया सहित किशन सिदार और महेश राम सिदार को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया था। हालांकि घटना के बाद से चौथा आरोपी भोलेश्वर सिदार फरार हो गया था और लगातार गांव बदल-बदलकर छिपता रहा। आरोपी को पकड़ने के लिए थाना प्रभारी लैलूंगा उप निरीक्षक गिरधारी साव द्वारा एक विशेष मुखबिर तंत्र तैयार किया गया था, जिसके तहत कई दिनों से आरोपी की गतिविधियों पर निगरानी रखी जा रही थी।बीती रात मुखबिर से मिली सटीक सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर फरार आरोपी भोलेश्वर सिदार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को आज न्यायालय में पेश किया गया, जहां उसे अपराध क्रमांक 283/2025 के तहत धारा 70(1), 138 क्चहृस् में न्यायिक प्रक्रिया पूरी करते हुए रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस का कहना है कि इस मामले में चारों आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई तेजी से की जा रही है।

डिजिटल छत्तीसगढ़: जिसने दूर रह रही बेटी को दिया सबसे बड़ा सहारा

- मीलों की दूरी मिटा दी तकनीक ने—डिजिटल छत्तीसगढ़ की मानवीय मिसाल
- भुवनेश्वर में रहते हुए भी सोनम त्रिपाठी ने बिलासपुर से अपने दिवंगत पिता का डिजिटल मृत्यु प्रमाण पत्र किया प्राप्त

रायपुर। डिजिटल भारत अभियान और छत्तीसगढ़ शासन की ई-सेवाओं ने आम नागरिकों के जीवन को न सिर्फ आसान बनाया है, बल्कि समय, मेहनत और संसाधनों की बड़ी बचत भी सुनिश्चित की है। भुवनेश्वर में रहने वाली श्रीमती सोनम त्रिपाठी का अनुभव इसका जीवंत उदाहरण है। उन्होंने डिजिटल सेवाओं के सहारे अपने दिवंगत पिता का डिजिटल मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त किया और अपनी बीमार माताजी के बैंक खाते को बिना किसी परेशानी के भुवनेश्वर में स्थानांतरित करवा लिया। विवाह के बाद भुवनेश्वर में बस चुकी सोनम त्रिपाठी के माता-पिता बिलासपुर में ही रहते थे। पिता का निधन होने के बाद नगरपालिका बिलासपुर ने मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किया। लेकिन जब उनकी माताजी की तबीयत बिगड़ी और उन्हें अपने साथ भुवनेश्वर ले जाना पड़ा, तब एक नई चुनौती सामने आई कि माताजी के बैंक खाते का ट्रांसफर। बैंक ने पिता का डिजिटल मृत्यु प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने का आग्रह किया, जिसकी जानकारी श्रीमती त्रिपाठी को पहले नहीं थी, और इसी कारण काम कुछ समय के लिए अटक गया। इस दस्तावेज़ की आवश्यकता ने परिवार को असमंजस में डाल दिया। इंटरनेट और डिजिटल छत्तीसगढ़ का मिला सहारा श्रीमती त्रिपाठी ने समाधान की तलाश शुरू की ।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से आज शाम राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारियों के प्रतिनिधि मंडल ने सौजन्य भेंट की।

लाल आतंक के खात्मे के साथ

जल,जंगल जमीन की सुरक्षा का विश्वास दिलाए भाजपा...

- प्राकृतिक संसाधनों, ऐतिहासिक स्थलों को अडानी को देना बंद करे सरकार

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ में लाल आतंक पर विराम लगे तथा बिहड़ में सक्रिय हर नक्सली मुख्य धारा में लौटे यह प्रदेश का हर नागरिक चाहता है। पूर्ववर्ती कांग्रेस शासनकाल में भी नक्सलियों को मुख्यधारा में वापस लाने एक विशेष नीति के तहत सरकार ने काम किया। भूपेश सरकार की नीति से प्रभावित होकर कांग्रेस शासन के प्रथम वर्ष के कार्यकाल में ही सैकड़ों नक्सलियों ने आत्मसर्पण किया था। तब अबूझमाड़ के लोगों में अपनी जल, जंगल, जमीन को लेकर कोई चिंता नहीं थी। लेकिन, वर्तमान में भाजपा के साय सरकार में नक्सलियों द्वारा आत्मसमर्पण किया जा रहा है, इसके बाद लगातार सोशल मीडिया प्लेटफार्म में अबूझमाड़ियों द्वारा अपनी जल, जंगल, जमीन को लेकर जो संवेदनाएं प्रकट की जा रही है, इस पर सभी छत्तीसगढ़ियों को विचार करना होगा। जंगलों में रहने वाले आदिवासियों को अब डर सताने लगा है कि उनकी प्राकृतिक पूजा स्थल, जंगलों को अब नष्ट किया जाएगा। जिस तरह हरे-भरे हसदेव अरण्य के लाखों पेड़ों की बलि अडाणी को लाभ पहुँचाने के लिए दी जा रही है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर मंडल में महिलाओं के लिए कैंसर जाँच शिविर

रायपुर। के सहयोग से 29.11.2025 को उप-मंडल रेलवे अस्पताल, बीएमवाई में रेलवे की सभी महिला कर्मचारियों और लाभार्थियों के लिए महिला स्वास्थ्य जाँच, कैंसर जाँच और स्वास्थ्य शिक्षा शिविर का आयोजन किया। इस अवसर पर श्री दयानंद सिंह (मंडल रेल प्रबंधक/रेलवे), श्रीमती शिखा सिंह (अध्यक्ष/सेक्रो/रायपुर रेलवे), डॉ. के.पी.एस. काशी पाठी (मुख्य चिकित्सा अधीक्षक/रेलवे), . के माधुरी, सदस्य सेक्रो, डॉ. दुर्गेश (ड्यूटी मेडिकल ऑफिसर (प्रभारी)/ बमियाणा रेलवे स्टेशन), डॉ. तेजेश (सहायक मंडल चिकित्सा अधिकारी- बैंक ऑफ मोनिट्यल), डॉ. मौनिका (असिस्टेंट डिविजनल मेडिकल ऑफिसर रेल्वे), केन्द्री तंत्रिका तंत्र/बॉडी मास इंडेक्स और विशेष आहरण अधिकार/बॉडी मास इंडेक्स टीम के अन्य कर्मचारी। इस शिविर में डॉ. मौनिका (एडीएमओ/आर) ने लाभार्थियों को एनीमिया, इसके कारण, लक्षण और प्रबंधन के बारे में जानकारी दी, डॉ. सुमन मित्तल (कैंसर विशेषज्ञ, मित्तल अस्पताल भिलाई) ने गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर और उसकी रोकथाम के बारे में बताया।

---

4 आवास मित्रों और एक रोजगार सहायक की सेवाएं समाप्त हुआ....

- प्रधानमंत्री आवास योजना अपूर्ण मकानों को पूर्ण दर्शाने के मामले में कार्रवाई

रायपुर/ संवाददाता

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवासों की निर्माण की स्थिति की गलत रिपोर्टिंग के मामले में कलेक्टर के निर्देश पर जिला पंचायत गरियाबंद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने इस मामले में दोषी पाए गए 4 ग्राम पंचायतों के आवास मित्रों एवं एक ग्राम पंचायत के रोजगार सहायक की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी हैं। जिला प्रशासन ने इस मामले कड़ा रूख अपनाते हुए जनपद पंचायत के कई अन्य अधिकारियों सहित संबंधित ग्राम पंचायतों के सरपंच एवं सचिव को भी कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत गरियाबंद के निर्देशानुसार योजना अंतर्गत निर्मित आवासों की वास्तविक स्थिति का निरीक्षण करने के लिए जिला स्तरीय टीम को विभिन्न ग्राम पंचायतों में भेजा गया था। टीम ने ग्राम पंचायत खजूरपदर, उसरीजोर, सरईपानी, नवापारा, बजाड़ी, मुचबहाल और धोबनमाल का दौरा कर आवासों की स्थिति की विस्तृत जांच की। निरीक्षण में पाया गया कि कुछ हितग्राहियों के आवास अभी भी अपूर्ण अवस्था में थे, जबकि आवास मित्र एवं रोजगार सहायकों द्वारा अन्य व्यक्तियों के आवास का जियोटैग कर उन्हें पूर्ण दिखाया गया था।

उपमुख्यमंत्री ने ग्राम चरडोंगरी और बांझी में चौपाल लगाकर ग्रामीणों से किया सीधा संवाद

ग्रामीणों की सुनी समस्याएं,मौके पर किया त्वरित निराकरण

- सरकार का लक्ष्य ग्रामीण क्षेत्रों को सशक्त बनाते हुए मूलभूत सुविधाओं से समृद्ध करना-उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा
- उपमुख्यमंत्री ने गांवों के विकास के लिए की विकास कार्यों की घोषणाएं

रायपुर/ संवाददाता

उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने आज अपने विधानसभा क्षेत्र कवर्धा के अंतर्गत विभिन्न ग्रामों का दौरा किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ग्राम चरडोंगरी और बांझी पहुंचे, जहां उन्होंने चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याएं, मांगें एवं शिकायतें गंभीरतापूर्वक सुनीं। चौपाल में दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण महिला-पुरुष उपस्थित रहे, जिन्होंने अपने गांव से जुड़ी बुनियादी सुविधाओं, सड़क, पानी, बिजली, आवास, नाली, शौचालय, सामाजिक भवन, पुलिया एवं अन्य विकास कार्यों से संबंधित मांगें रखीं। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने अनेक मांगों पर संवेदनदशीलतापूर्वक विचार करते हुए तत्काल पूरा करने हेतु घोषणाएं की। इस दौरान उन्होंने ग्राम चरडोंगरी और बांझी के सर्वांगीण विकास के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की। उन्होंने चरडोंगरी से सारंपुरङ्कदुल्लापुर तक सड़क निर्माण, चेक डैम के लिए 10 लाख रुपए, सामुदायिक भवन के लिए 10 लाख रुपए, नाली निर्माण हेतु 3 लाख रुपए, मंच निर्माण के लिए 3 लाख रुपए, ग्राम झिराना में सीसी रोड निर्माण के लिए

5.20 लाख रुपए, मेला परिसर में दो शौचालय निर्माण, बोर खनन, मेला स्थल में मंच निर्माण हेतु 5 लाख रुपए तथा सोलर लाइट लगाने की घोषणा की। उन्होंने ग्राम बांझी में 12 लाख रुपए का सामुदायिक भवन, जागेश्वर के घर से महामाया मंदिर सड़क निर्माण के लिए 3 लाख रूपए, महामाया मंदिर के समीप और गौरा चौक में बोर खनन, स्कूल में शौचालय निर्माण और मंच निर्माण के लिए 2 लाख रुपए की घोषणा की। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन सभी कार्यों की शीघ्र प्रशासकीय स्वीकृति एवं तकनीकी प्रक्रिया पूरी कराते हुए कार्य प्रारंभ कराए जाएं तथा निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और समय-सीमा का विशेष रूप से ध्यान रखा जाए। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश में निरंतर विकास कार्य हो रहे हैं और गांव-गांव तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है। सरकार का लक्ष्य ग्रामीण क्षेत्रों को सशक्त बनाते हुए मूलभूत सुविधाओं से समृद्ध करना है, जिससे हर गांव विकास की मुख्यधारा से जुड़ सके। उन्होंने कहा कि कवर्धा जिले में लगातार चिकित्सा सुविधाओं में सुधार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिला अस्पताल में 4.5 करोड़ रुपये की लागत से अत्याधुनिक सीटी स्कैन मशीन स्थापित की गई है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक,संपादक-शुभम वर्मा द्वारा मकान नंबर 411, देवनगर, आदिवासी छात्रावास के सामने, शिव शंकर होटल के पीछे महादेव घाट रायपुरा, रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं छत्तीसगढ़ प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स अनंत विहार कालोनी,दलदल सिवनी मार्ग -मोवा रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित। (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) फोन:-9300870270, 9425520408 jantakegoth@gmail.com